राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

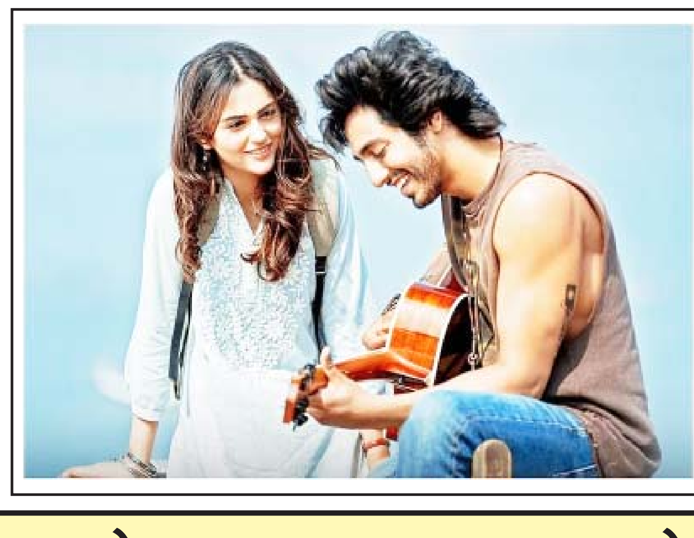

वर्ष – 03 | अंक – 345 | जौनपुर | सोमवार, 04 अगस्त 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रुपये

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी को 2,200 करोड़ रुपये की सौगात दिया

वाराणसी, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के दौरे पर हैं। यह उनका वाराणसी का 51वां दौरा है। वहां उन्होंने करीब 2,200 करोड़ रुपये की लागत वाली 52 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने किसानों के खाते में किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त की राशि भी भेजी। इस दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। भारी बारिश के बीच करीब 50,000 लोग सभास्थल पहुंचे। प्रधानमंत्री ने अपना संबोधन भोजपुरी से शुरू किया। आगे उन्होंने कहा, मैं ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार काशी आया हूं। जब 22 अप्रैल को पहलगाम हमला हुआ था, 26 निर्दोष लोगों की बेरहमी से हत्या की गई, उनके परिवार की पीड़ा, उन बेटियों की वेदना से मेरा हृदय तकलीफ से भर गया। मैंने अपनी बेटियों के सिंदूर का बदला लेने के लिए जो वचन दिया था, वो भी पूरा हुआ। ये महादेव के आशीर्वाद से ही पूरा हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर हमारे देश के कुछ लोगों को भी पेट में दर्द हो रहा है। ये कांग्रेस पार्टी और उनके चेले–चपाटे इस बात को पचा नहीं पा रहे कि भारत ने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। पाकिस्तान के कई सारे एयरबेस आईसीयू में हैं। पाकिस्तान दुखी है। ये तो सब कोई समझ सकता है, लेकिन पाकिस्तान का ये दुख समाजवादी पार्टी और कांग्रेस से सहन नहीं हो रहा। प्रधानमंत्री ने 565.35 करोड़ रुपये की 14 परियोजनाओं का लोकार्पण किया।

कार्बन उत्सर्जन से निपटने के लिए ऊर्जा मंत्रालय को दिए निर्देश : सुप्रीम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि बिजली उत्पादन से होने वाले कार्बन उत्सर्जन की समस्या से निपटने के लिए सभी संबंधित पक्षों को एक साझा मंच पर आना होगा। कोर्ट ने ऊर्जा मंत्रालय को निर्देश दिया है कि वह केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) और केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (सीईआरसी) के साथ संयुक्त बैठक बुलाकर इस दिशा में ठोस कार्ययोजना तैयार करे। कोर्ट का मानना है कि नीति निर्धारकों को जमीनी वास्तविकताओं से जोड़े बिना उत्सर्जन की चुनौती को दूर नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति एएस चंदुरकर की पीठ ने 22 जुलाई के अपने आदेश में कहा कि बिजली उत्पादन से उत्पन्न कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित करने के लिए यह आवश्यक है कि सभी स्टेकहोल्डर एक ही मंच पर आकर योजना बनाएं और उसे सुसंगत रूप से लागू करें। कोर्ट ने इस मुद्दे पर नीति बनाने वालों और क्रियान्वयन एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल की आवश्यकता भी जताई। यह निर्देश उस याचिका पर सुनवाई के दौरान आया जो नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के एक आदेश से संबंधित है। एनजीटी ने पर्यावरण मंजूरी देने से पहले जलवायु परिवर्तन संबंधी प्रभावों का मूल्यांकन करने की मांग को लेकर आदेश पारित किया था। इस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सीईए और सीईआरसी को मामले में पक्षकार बनाते हुए नोटिस जारी किया और ऊर्जा मंत्रालय को चार सप्ताह में योजना पर आधारित एक संयुक्त हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने अपने 21 फरवरी 2025 के आदेश का हवाला देते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन अब एक वैश्विक संकट बन चुका है, जो केवल पर्यावरणीय क्षरण तक सीमित नहीं है। इसका असर तापमान वृद्धि, अनियमित मौसम, बाढ़, सूखा और लू जैसे चरम मौसमी घटनाओं के रूप में सामने आ रहा है। कोर्ट ने कहा कि इस चुनौती से निपटने के लिए समन्वित प्रयास जरूरी हैं। कोर्ट में दाखिल अमीकस क्यूरी की रिपोर्ट के मुताबिक, देश में कुल कार्बन उत्सर्जन में बिजली उत्पादन की हिस्सेदारी लगभग 8प्रतिशत है।

संक्षिप्त खबरें

जम्मू–कश्मीर के कुलगाम में एक आतंकी ढेर

श्रीनगर, (एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर के कुलगाम में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में एक आतंकी को मार गिराया है और 2–3 आतंकियों को घेर लिया है। कुलगाम के अखल जंगल में सुबह से ही सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच गोलीबारी जारी है। एक अधिकारी ने कहा कि खुफिया जानकारी मिलने के बाद बीती रात से ही सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा था। इस दौरान आतंकियों ने गोलीबारी शुरू की और मुठभेड़ में एक आतंकी मारा गया। भारतीय सेना की चिनार कॉर्प्स ने बताया, कुलगाम के अखल क्षेत्र में आतंकियों से संपर्क स्थापित हो गया है। रात भर रुक–रुक कर और तीव्र गोलीबारी जारी रही। सतर्क सैनिकों ने संतुलित गोलीबारी की और संपर्क बनाए रखते हुए घेराबंदी कड़ी कर दी। सुरक्षाबलों ने अब तक एक आतंकवादी को मार गिराया है। अभियान जारी है। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप, जम्मू–कश्मीर पुलिस, सेना और सीआरपीएफ ऑपरेशन को अंजाम दे रहे हैं। इससे पहले 28 जुलाई को सुरक्षाबलों ने ऑपरेशन महादेव के तहत लिडवास के जंगलों में 3 आतंकियों को मार गिराया था। इनमें से एक पहलगाम आतंकी हमले का मुख्य आरोपी सुलेमान शाह उर्फ हाशिम मूसा भी था। 30 जुलाई को पुंछ में नियंत्रण रेखा के पास 2 आतंकी घुसपैठ के दौरान मारे गए थे। सेना ने इसे ऑपरेशन शिवशक्ति नाम दिया था। इनके पास से कई हथियार भी बरामद किए गए थे।

चुनाव आयोग ने बीएलओ का पारिश्रमिक बढ़ाकर दोगुना किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले देश में कार्यरत सभी बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को बड़ी सौगात दी है। आयोग ने सभी बीएलओ के पारिश्रमिक को दोगुना करने के साथ ही चुनाव कार्य में लगे अन्य कर्मचारियों का पारिश्रमिक भी बढ़ाया है। आयोग ने इस संबंध में सभी राज्य निर्वाचन आयुक्तों को आदेश भी जारी कर दिए हैं। बता दें, बीएलओ समेत अन्य कर्मचारियों के परिश्रमिक में 2015 के बार से इजाफा नहीं हुआ था। चुनाव आयोग के आदेश में कहा गया है कि बीएलओ के वार्षिक पारिश्रमिक को दोगुना किया गया है। इसके अलावा मतदाता सूचियों की तैयारी एवं पुनरीक्षण में शामिल बीएलओ पर्यवेक्षकों का पारिश्रमिक भी बढ़ाया गया है। इससे पहले साल 2015 में ऐसा संशोधन किया गया था। आयोग ने कहा कि देश में पहली बार निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) और सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (एईआरओ) को भी पारिश्रमिक देने का फैसला किया गया है। आयोग के आदेशानुसार, अब देश में तैनात सभी बीएलओ को 6,000 की जगह 12,000 रुपये पारिश्रमिक दिया जाएगा। इसके साथ ही मतदाता सूची के पुनरीक्षण (एसआईआर) में लगे बीएलओ 1,000 रुपये की जगह 2,000 हजार रुपये अतिरिक्त दिए जाएंगे।

मर चुकी है भारत की चुनाव प्रणाली : राहुल गांधी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को एक बार फिर से चुनाव आयोग पर हमला बोला है। उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार और देश में चुनावी प्रक्रिया पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि लोकसभा चुनाव 2024 में जमकर धांधली हुई थी और वह आने वाले दिनों में इसे साबित भी कर देंगे। राहुल ने यह बात दिल्ली में आयोजित वार्षिक कानूनी सम्मेलन 2025 में कही है। राहुल ने कहा, मैं चुनाव प्रणाली पर बात कर रहा हूं। मुझे 2014 से ही शक था कि इसमें कुछ गड़बड़ है। गुजरात विधानसभा चुनाव में भी मुझे ऐसा ही शक हुआ था। उन्होंने कहा, जब भी हमने इस बारे में बात की, लोगों ने पूछा कि सबूत कहां है? फिर महाराष्ट्र में कुछ हुआ। वहां लोकसभा में हम चुनाव जीते और सिर्फ 4 महीने बाद हम विधानसभा में बुरी तरह हार गए। तीन मजबूत पार्टियां अचानक खत्म हो गईं। राहुल ने कहा, हमने चुनाव में गड़बड़ी को गंभीरता से खोजना शुरू किया। महाराष्ट्र में हमें सबूत मिले। लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बीच एक करोड़ नए वोटर जुड़े और ज्यादातार वोट भाजपा को गए।

हम आने वाले कुछ दिनों में साबित कर देंगे कि किस तरह से लोकसभा चुनाव में धांधली की गई थी। उन्होंने आगे कहा, सच्चाई यह है कि भारत में चुनाव प्रणाली मर चुकी है। भारत के प्रधानमंत्री बहुत कम बहुमत वाले प्रधानमंत्री हैं। राहुल ने शुक्रवार को भी चुनाव आयोग पर हमला बोला था। उन्होंने कहा था, हमारे पास सबूत है कि आयोग वोट चोरी करवा रहा है। मैं 100 प्रतिशत सबूतों के साथ ये बात कह रहा हूं। उन्होंने कहा, जो सबूत हमें मिले हैं वो एटम बम है। जब यह फटेगा तो चुनाव आयोग हिंदुस्तान में कहीं दिखेगा नहीं।

रेलवे स्टेशन पर यात्री का सामान गिरने से मची थी भगदड़ - अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर गत 15 फरवरी को मची भगदड़ का वास्तविक कारण सामने आ गया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद में कहा कि स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ के बीच एक यात्री का सिर पर रखा सामान गिरने से भगदड़ मच गई थी। मामले की जांच के लिए गठित समिति की रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। बता दें की इस भगदड़ में 11 महिलाओं समेत कुल 18 लोगों की मौत हो गई थी। उच्च–स्तरीय जांच समिति ने पाया कि हादसे का कारण यात्री के सिर पर लदा सामान गिरना था। भगदड़ में 4 बच्चों और 11 महिलाओं समेत अन्य पीड़ितों की दम घुटने से मौत हुई। घटना रात 8:48 बजे फुटओवर ब्रिज 3 पर हुई। रात सवा 8 बजे के बाद यात्रियों की संख्या बढ़ने और कई यात्रियों के सिर पर भारी सामान लेकर चलने से फुटब्रिज पर आवाजाही बाधित हो गई। इस दौरान एक यात्री का सामान गिरने से भगदड़ मच गई। मंत्री वैष्णव ने बताया कि इस त्रासदी के मद्देनजर भारतीय रेलवे अधिक भीड़ वाले 73 स्टेशनों पर व्यापक भीड़ प्रबंधन उपाय लागू करेगा। नई दिल्ली, आनंद विहार, वाराणसी, अयोध्या और गाजियाबाद में पायलट प्रोजेक्ट पहले से ही चल रहे हैं। रेलवे मौजूदा संकरी संरचनाओं की जगह नए फुटओवर ब्रिज डिजाइन (12 मीटर ऊंचे और 6 मीटर चौड़े) लाएगा। रैंप वाले ये चौड़े पुल हाल ही में हुए महाकुंभ के दौरान कारगर रहे थे। सभी भारी यातायात वाले स्टेशनों पर सीसीटीवी नेटवर्क और समन्वित भीड़ प्रबंधन के लिए वॉर रूम सहित उन्नत निगरानी प्रणालियां स्थापित की जाएंगी। व्यस्त समय के दौरान समन्वय में सुधार के लिए वॉकी–टॉकी और सार्वजनिक घोषणा प्रणाली जैसे डिजिटल संचार उपकरण भी लगाए जाएंगे।

1200 करोड़ का अवैध खनन सरकार को भारी नुकसान तो खुद कमाया लाभ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), मुख्यालय कार्यालय, नई दिल्ली ने हरियाणा के भिवानी जिले के तोशाम गांव में स्थित श्दादम हिलश में मेसर्स गोवर्धन माइंस एंड मिनरल्स, मेसर्स सुंदर मार्केटिंग एसोसिएट, वेदपाल सिंह तंवर, रमन सोखल और अन्य द्वारा धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत किए गए अवैध खनन के मामले में 28.07.2025 को 17.68 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति को अनंतिम रूप से कुर्क किया है। ईडी ने पर्यावरण संरक्षण (ईपी) अधिनियम, 1986 के तहत हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एचएसपीसीबी) द्वारा दायर अभियोजन शिकायत के आधार पर उक्त मामले की जांच शुरू की थी। इसके बाद, हरियाणा पुलिस ने भी मेसर्स गोवर्धन माइंस एंड मिनरल्स (जीएमएम), मेसर्स सुंदर मार्केटिंग एसोसिएट्स (एसएमए) और इसके भागीदारों वेदपाल सिंह तंवर, रमन सोखल और अन्य के खिलाफ आईपीसी, 1860 की विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की। ईडी की जांच से पता चला है कि मेसर्स गोवर्धन माइंस एंड मिनरल्स (जीएमएम) और मेसर्स सुंदर मार्केटिंग एसोसिएट्स (एसएमए) ने 2017–2022 तक दादम माइंस, भिवानी, हरियाणा में खनन किया था। इसमें वे 1200 करोड़ रुपये से अधिक के अवैध और अवैज्ञानिक खनन में शामिल थे। इसके चलते सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ और आरोपियों ने खुद मोटा लाभ कमाया। ईडी की जांच से यह भी पता चला है कि खनन टेंडर प्रोपराइटरशिप फर्म मेसर्स सुंदर मार्केटिंग एसोसिएट्स को आवंटित किया गया था, जिसमें नवीन गोयल प्रोपराइटर थे। सरकार को धोखा देने के लिए, समान नाम वाली एक अन्य साझेदारी फर्म यानी मेसर्स सुंदर मार्केटिंग एसोसिएट्स, रमन सोखल और अन्य द्वारा बनाई गई थी। हरियाणा खनन विभाग को सूचित या अनुमति लिए बिना ही धोखाधड़ी से पूरा खनन किया गया था। ईडी की जांच से पता चला है कि जीएमएम द्वारा अवैध और अवैज्ञानिक खनन से अर्जित अपराध की आय (पीओसी) का इस्तेमाल चल और अचल संपत्तियां हासिल करने के लिए किया गया था। जांच के दौरान, आरोपियों की 56.97 करोड़ रुपये की संपत्ति 27.09.2024 के आदेश के तहत अनंतिम रूप से कुर्क की गई। इसके साथ ही पीएमएलए के तहत विशेष न्यायालय के समक्ष आपराधिक अभियोजन शिकायत दायर की गई। मामले में आगे की जांच के दौरान, शेष पीओसी का पता लगाने और उसे कुर्क करने के प्रयास किए गए 28.07.2025 के आदेश के तहत 17.68 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की गई। इस प्रकार, जीएमएम द्वारा अवैध खनन से संबंधित इस मामले में अब तक कुल 74.65 करोड़ रुपये की पीओसी कुर्क की जा चुकी है।

एसआईआर के बाद मतदाता सूची से कट गया मेरा नाम – तेजस्वी यादव

पटना, (एजेंसी)। बिहार में चुनाव आयोग ने नई मतदाता सूची का ड्राफ्ट जारी कर दिया है। इसके बाद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि उनका नाम वोटर लिस्ट में नहीं है। बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) के घर आकर सत्यापन करने के बाद भी उनका नाम मतदाता सूची से गायब है। इतना ही उन्होंने यह भी कहा कि उनका और उनकी पत्नी का मतदाता पहचान पत्र भी नहीं बना है। तेजस्वी ने कहा, मेरा नाम मतदाता सूची से कट गया है। बीएलओ आए थे और हमारा सत्यापन करके गए, फिर भी नाम नहीं है। उन्होंने कहा, हर विधानसभा से 30,000 नाम काटे हैं। कुल 65 लाख यानी 8.5 प्रतिशत मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। चुनाव आयोग ने हमें जो सूची उपलब्ध करवाई है उसमें किसी मतदाता का पता, बूथ नंबर और ईपीआईसी नंबर नहीं दिया है। इससे हम हटाए गए नामों का पता नहीं लगा सकते हैं। तेजस्वी ने कहा, हमें जो सूची दिया गया है उससे वोटर की स्थिति की कोई जानकारी नहीं मिलती। निर्वाचन आयोग गोदी आयोग बन गया है। विधानसभा अनुसार कई जगह बूथ के अनुसार डाटा क्यों नहीं दिया गया। आईपीआईसी नंबर डालने पर कोई रिकॉर्ड नहीं बता रहा है। मैंने एसआईआर में फॉर्म भरा था। चिंता यह है कि मैं चुनाव कैसे लड़ूंगा। चुनाव लड़ने के लिए नागरिक होना जरूरी है।

बिहार की मतदाता सूची के मसौदे पर कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने शनिवार को बिहार के लिए मतदाता सूची का मसौदा जारी होने के बाद चुनाव आयोग और भाजपा की आलोचना की और कहा कि 65 लाख लोगों के नाम हटाना ष्चौंकाने वालाष् है। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने कहा कि बिहार के कुल 7.89 करोड़ मतदाताओं में से 7.24 करोड़ मतदाताओं को मसौदा सूची में शामिल किया गया है, कांग्रेस सांसद तिवारी ने दावा किया कि अल्पसंख्यक समुदायों की बहुलता वाले क्षेत्रों के लोगों को सूची से हटा दिया गया है। हमारे पास सबूत हैंफ राहुल गांधी प्रमोद तिवारी ने एएनआई को बताया, ष्यदि 65 लाख नाम, विशेष रूप से उन जिलों और क्षेत्रों से जहां अल्पसंख्यक समुदाय, पिछड़े वर्ग और दलित समुदाय प्रमुख हैं, (मतदाता सूची से) हटा दिए गए हैं, तो यह बहुत चौंकाने वाला आंकड़ा है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के दावे को दोहराते हुए उन्होंने कहा, राहुल गांधी ने सही कहा है कि चुनाव आयोग भाजपा सरकार के इशारे पर ऐसा कर रहा है। अगर सबूत होंगे तो मुहैया कराए जाएंगे। जरा सोचिए 65 लाख का क्या मतलब होता है। भाजपा की शहरी गरीबों को समर्पित पहल चुनाव आयोग ने शुक्रवार को एक महीने की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के बाद बिहार की मतदाता सूची का मसौदा जारी कर दिया । चुनाव आयोग ने कहा कि जनता के पास दावे और आपत्तियाँ दर्ज कराने के लिए एक महीने का समय है, और आश्वासन दिया कि षबिना किसी कारण के मसौदा मतदाता सूची से किसी का नाम नहीं हटाया जाएगा।

पिछली सरकार की लापरवाही से झुग्गीवासी वंचित : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को सुल्तानपुरी स्थित दिल्ली विकास प्राधिकरण एवं दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड के फ्लैट साइट ए–3 का निरीक्षण किया। इस दौरान गृहमंत्री आशीष सूद और भाजपा सांसद योगेंद्र चांदोलिया भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने शनिवार को एक्स पोस्ट में लिखा कि पूर्ववर्ती सरकारों की उदासीनता और दुर्भावनापूर्ण नीतियों की वजह से 2011 से तैयार ये फ्लैट्स वर्षों तक वीरान पड़े रहे। अरबों रुपये खर्च होने के बावजूद इन्हें झुग्गीवासियों को नहीं सौंपा गया। हमारे पास सबूत हैंरू राहुल गांधी उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास' के संकल्प से प्रेरणा लेते हुए हमारी सरकार अब ऐसे 50,000 फ्लैट्स का नवीनीकरण कर रही है। यहां बिजली, पानी, शौचालय, सीवर और पार्क जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। हमारा लक्ष्य है कि दिल्ली के झुग्गीवासियों को सुरक्षित, स्वच्छ और गरिमामय जीवन मिले। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने एक अगस्त को सभी सरकारी विभागों को दिल्ली में झुग्गियों को न हटाने का निर्देश दिया। उन्होंने राजधानी के बाहरी इलाकों में सालों पहले बने करीब 50 हजार मकानों को संवार कर उन्हें झुग्गी वालों को देने का निर्णय कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ी तो दिल्ली सरकार झुग्गी बस्तियों पर बनी नीति में बदलाव करेगी और झुग्गी वालों का आवास बचाने के लिए न्यायालय भी जाएगी। भाजपा की शहरी गरीबों को समर्पित पहल मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली के बाहरी इलाकों में सालों पहले बने करीब 50 हजार फ्लैट्स को अब गरीबों को दिया जाएगा। इन जर्जर व खाली फ्लैट्स को कुछ साल पहले जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीकरण मिशन (जेएनएनयूआरएम) के तहत बनाया गया, लेकिन पूर्व सरकारों ने इनका आवंटन नहीं किया। अब इन फ्लैट्स को पीएमएवाई–यू (प्रधानमंत्री आवास योजना– शहरी) के अंतर्गत झुग्गी वालों का देने का निर्णय ले लिया गया है। दिल्ली राज्य औद्योगिक और बुनियादी ढांचा विकास निगम) को करोड़ों रुपये दिए गए।

संपादकीय

जानलेवा ब्रेक

देश में जब तेजी से हाई–वे बने तो लगा कि अब आम आदमी की यात्रा सुगम व सुरक्षित होगी। तब सफर में लोगों के घंटों बचने लगे। यात्रियों के पेट्रोल व डीजल की खपत कम हुई। विडंबना यह है कि कालांतर वाहनों की गति सीमाएं तोड़ने लगी। बेलगाम गति दुर्घटनाओं का सबब बनी। वे खबरें विचलित करती हैं जब पूरे के पूरे परिवार सड़क दुर्घटनाओं की भेंट चढ़ जाते हैं। निस्संदेह, जब व्यक्ति निर्धारित सीमा से अधिक की गति से वाहन चलाता है तो विषम परिस्थितियों में अचानक ब्रेक लगाना ही पड़ता है। ऐसे में पीछे से नियंत्रित गति में चलने वाले वाहन चालक भी सड़क दुर्घटनाओं की चपेट में आ जाते हैं। अकसर बेकसूर लोग दूसरों की गलती की कीमत चुकाते हैं। ऐसी ही दुर्घटनाओं के परिप्रेक्ष्य में सुप्रीम कोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला आया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि यदि हाई–वे पर कोई वाहन चालक अचानक ब्रेक लगाता है तो दुर्घटना की स्थिति में इसे लापरवाही माना जाएगा। अदालत ने माना कि हाई–वे पर वाहनों का तेज गति से चलना स्वाभाविक है, लेकिन यदि कोई चालक अचानक वाहन रोकता है तो उसकी जिम्मेदारी बनती है कि वह ब्रेक मारने से पहले पीछे आने वाले वाहन चालकों को चेतावनी या कोई संकेत दे। उल्लेखनीय है कि यह फैसला वर्ष 2017 में कोयंबटूर में एक इंजीनियरिंग छात्र के साथ हुए हादसे के बाबत आया है, जिसमें उसे अपनी टांग गंवानी पड़ी। दरअसल, उसकी मोटरसाइकिल अचानक रोकी गई एक कार से टकरा गई थी। इस टक्कर में उसके नीचे गिरने पर पीछे से आ रही बस ने उसके पैर को कुचल डाला। कोर्ट ने कार चालक की इस दलील को तार्किक नहीं माना कि उसे पत्नी के अस्वस्थ होने के कारण कार अचानक रोकनी पड़ी। अदालत का मानना था कि उसने भले ही किसी भी परिस्थिति में कार रोकी,लेकिन उसे पीछे से आने वाले वाहन चालकों को संकेत या चेतावनी जरूर देनी चाहिए थी, ताकि इस हादसे को टाला जा सकता। अदालत ने कहा कि यदि इस मामले में आधी गलती कार चालक की है तो बीस–बीस फीसदी गलती अपील करने वाले व बस चालक की भी है। कोर्ट ने अपील करने वाले को अगले वाहन से पर्याप्त दूरी न रखने व लाइसेंस न होने का दोषी माना। फलतरू उसके मुआवजे में बीस फीसदी की कटौती की। दरअसल, हाई–वे पर होने वाले तमाम हादसों में वाहनों की निर्धारित सीमा से अधिक गति को मुख्य कारण बताया जा रहा है। 'हाई–वे रोड सेफ्टी रिपोर्ट 2021' के अनुसार दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि राजमार्गों पर होने वाली दुर्घटनाओं में 74 फीसदी हादसे वाहनों की निर्धारित गति सीमा से अधिक पर वाहन चलाने की वजह से होते हैं। जिसके चलते राजमार्गों में सुरक्षा मानकों को ताक पर रख दिया जाता है। निस्संदेह, हमने यूरोपीय स्टाइल के हाई–वे तो बना दिए मगर चालकों को नियम–कानूनों के पालन के लिये जागरूक नहीं कर पाये। यही वजह है कि दुर्भाग्य से देश की सड़कों में हर तीन मिनट में एक बेगुनाह व्यक्ति की मौत हो जाती है। जाहिर है, दोष सड़कों का नहीं बल्कि चालकों के व्यवहार में अराजकता का है। जरूरी है कि वाहन चालकों को नियमों का पालन करने तथा गति सीमा नियंत्रित रखने हेतु प्रेरित किया जाए। तभी दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क दुर्घटनाओं के लिये निरापद बन सकेगा। निस्संदेह, सड़क निर्माण में भी कई बार तकनीकी खामियां पायी जाती हैं।

पिघलते ग्लेशियर व सिकुड़ते बादलों के खतरे

सोहन

शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि जेट स्ट्रीम में गर्मी से प्रेरित बदलाव के कारण ध्रुवीय क्षेत्रों के आसपास के क्षेत्रों में काले बादल पीछे हट रहे हैं। नया अध्ययन हाल में देखी गई असाधारण गर्मी की पहेली को समझने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और तत्काल जलवायु कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर देता है। दुनिया के करोड़ों लोग स्वच्छ जल की आपूर्ति के लिए ग्लेशियरों पर निर्भर हैं। लेकिन ये महत्वपूर्ण जलस्रोत इस समय भारी दबाव में हैं। यदि वैश्विक तापमान अपने वर्तमान पथ

पर जारी रहता है, तो दुनिया के 75 प्रतिशत ग्लेशियर गायब हो सकते हैं। ग्लेशियरों के लुप्त होने का सिलसिला जारी रहेगा, भले ही आगे गर्मी और न बढ़े। ग्लेशियर मॉडल का उपयोग करके किए गए एक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन से पता चलता है कि आज के स्तर पर तापमान को स्थिर करने से भी ग्लेशियरों का 40 प्रतिशत नुकसान होगा। अध्ययन का निष्कर्ष है कि यदि दुनिया का तापमान 2.7 डिग्री सेल्सियस बढ़ता है, जो वर्तमान जलवायु नीतियों के अनुरूप है, तो भी दुनिया के ग्लेशियरों की बर्फ का केवल एक–चौथाई हिस्सा ही बचेगा। लेकिन इस अध्ययन में आशा की एक किरण भी दिखाई देती है। यदि वैश्विक तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित किया जा सका, जो पेरिस जलवायु समझौते का लक्ष्य है, तो तमाम ग्लेशियरों की बर्फ का लगभग आधा हिस्सा अब भी बचाया जा सकता है। दस देशों के 21 विज्ञानियों ने दुनिया भर के 2,00,000 से अधिक ग्लेशियरों के भविष्य का अनुमान लगाने के लिए आठ स्वतंत्र ग्लेशियर मॉडलों का उपयोग किया। इस अध्ययन में ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका के ग्लेशियर शामिल नहीं किए गए। विज्ञानियों ने अपने अध्ययन में वैश्विक तापमान के विभिन्न परिदृश्यों का परीक्षण किया। आज की वैश्विक गर्मी भी ग्लेशियरों के बड़े नुकसान का संकेत है। एक चौंकाने वाला निष्कर्ष यह है कि अगर आज वैश्विक तापमान बढ़ना बंद हो जाता है, तो भी ग्लेशियर का नुकसान जारी रहेगा। पूर्व–औद्योगिक स्तरों से 1.2 डिग्री सेल्सियस ऊपर के वर्तमान वैश्विक तापमान पर लगभग 40 प्रतिशत ग्लेशियर बर्फ के पहले ही गायब होने का अनुमान लगाया जा चुका है। जर्मनी के ब्रेमेन विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक बेन मार्जियन ने कहा कि अध्ययन के परिणाम इस तथ्य को रेखांकित करते हैं कि वर्तमान जलवायु नीतियां भविष्य में ग्लेशियरों के आकार में निर्णायक भूमिका अदा करेंगी। वैज्ञानिकों ने हर अतिरिक्त 0.1 डिग्री गर्मी पर वैश्विक ग्लेशियर द्रव्यमान में 2 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान लगाया है। अध्ययन में शामिल एक अन्य वैज्ञानिक डॉ. हैरी जेकोलारी कहते हैं कि डिग्री का हर अंश मायने रखता है। आज हम जो विकल्प चुनते हैं, वे सदियों तक प्रतिध्वनित होंगे। नए अध्ययन से जुड़ी वैज्ञानिक डॉ. लिलियन शूस्टर का कहना है कि ग्लेशियर जलवायु परिवर्तन के अच्छे संकेतक हैं। हम अपनी आंखों से देख सकते हैं कि ग्लेशियरों के पीछे हटने से जलवायु कैसे बदल रही है। हालांकि, उनका वर्तमान आकार पहले से हो चुके जलवायु परिवर्तन की भयावहता को बहुत कम करके आंकता है। ग्लेशियरों की स्थिति वास्तव में आज पहाड़ों में दिखाई देने वाली स्थिति से कहीं ज्यादा खराब है। ग्लेशियर के पीछे हटने से न केवल समुद्र के स्तर पर असर पड़ता है, बल्कि ताजे पानी की उपलब्धता पर भी दूरगामी प्रभाव पड़ता है। ग्लेशियर से संबंधित खतरों का जोखिम बढ़ता है और ग्लेशियर आधारित पर्यटन प्रभावित होता है। ये परिवर्तन जो पहले से ही कई क्षेत्रों में दिखाई दे रहे हैं, वैश्विक जलवायु नीति के महत्व को रेखांकित करते हैं। यह अध्ययन संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय ग्लेशियर संरक्षण वर्ष (2025) में एक महत्वपूर्ण योगदान है और दुनिया के ग्लेशियरों को बचाने के लिए वैश्विक जलवायु कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करता है। ग्लोबल वार्मिंग प्रकृति की दूसरी प्रणालियों को भी प्रभावित कर रही है। नासा के नेतृत्व में किए गए एक नए अध्ययन से पता चलता है कि तेज गर्मी का असर बादलों पर भी दिखाई दे रहा है। पृथ्वी के लिए बादलों के आवरण का विशेष महत्व है। बादल न सिर्फ धरती की प्यास बुझाते हैं बल्कि सूर्य के प्रकाश को परावर्तित करके हमारे ग्रह को ठंडा रखने में भी मदद करते हैं। लेकिन अब घने काले बादलों का क्षेत्र सिकुड़ने लगा है। इन बादलों को स्टॉर्म क्लाउड भी कहा जाता है। चिंता की बात यह है कि यह सिकुड़न अधिक सौर विकिरण को अंदर आने दे रही है। वैज्ञानिकों का कहना है कि पृथ्वी की हाल ही में गर्मी बढ़ने का यह सबसे बड़ा कारण है। उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों और भूमध्य रेखा तथा ध्रुवीय क्षेत्रों के बीच के इलाकों में काले बादलों के क्षेत्र प्रति दशक 1.5 प्रतिशत से 3 प्रतिशत तक सिकुड़ गए हैं। ये क्षेत्र पहले बहुत अधिक मात्रा में सूर्य के प्रकाश को वापस अंतरिक्ष में परावर्तित करते थे।

शांति और दमन के बीच अमेरिकी राजनीति

सुरेंद्र

शांति स्थापित करने में सक्षम शक्तियां एक साथ युद्ध में ईंधन और पानी दोनों डालने की राजनीति कर रही हैं। इस प्रकार, निकट भविष्य में स्थायी शांति आम फलस्तीनियों के लिए एक भ्रम ही है, हालांकि 'आशा के विरुद्ध आशा' रखने से आशा जीवित रहती है। इस्राइल और फलस्तीन के बीच लगभग दो वर्षों से जारी युद्ध का अंत फिलहाल नजर नहीं आ रहा है। यह संघर्ष हमास द्वारा 7 अक्तूबर, 2023 को किए गए बर्बर हमले के जवाब में शुरू हुआ था, जिसमें 1,200 लोग मारे गए और 251 इस्राइली बंधक बनाए गए थे। इसके बाद गाजा में अब तक 70,000 से अधिक फलस्तीनी मारे जा चुके हैं, पर न तो बंधक रिहा हुए हैं और न ही युद्ध रुका है। अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय और इस्राइली मानवाधिकार संगठनों ने इसे 'नरसंहार' बताया है और युद्धविराम की मांग की है। वहीं, अमेरिका एक ओर शांति वार्ता की बात करता है, दूसरी ओर इस्राइल को हथियार भी उपलब्ध करा रहा है। कहा जा रहा है कि हमास शांति वार्ता प्रस्ताव पर विचार करने को तैयार है, लेकिन इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निमंत्रण पर तीसरी बार अमेरिका जाकर भी बिना किसी युद्धविराम समझौते के लौट आए। गौरतलब है कि इस दौरे के दौरान ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया गया, लेकिन गाजा में युद्ध रोकने की दिशा में कोई ठोस निर्णय नहीं हुआ। वास्तविकता यह है कि जहां ट्रम्प बार–बार शांति का आह्वान कर रहे हैं, वहीं नेतन्याहू खुलेआम अपनी शक्ति का प्रदर्शन यह कहकर कर रहे हैं कि इस्राइल केवल अपनी शर्तों पर ही शांति स्थापित करेगा। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार रिपोर्ट के अनुसार, इस्राइली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने शांति वार्ता के दौरान गाजा स्थित एक खाद्य सहायता केंद्र से भोजन लेने गए सैकड़ों लोगों की हत्या कर दी है। दरअसल, इस्राइली प्रधानमंत्री और उनकी दक्षिणपंथी (राइट विंग) विचारधारा की सरकार का एजेंडा इस क्षेत्र पर यहूदियों पर पूर्ण नियंत्रण का है। इसके अलावा, नेतन्याहू के लिए युद्ध, उनके खिलाफ चल रहे भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर इस्राइल में चल रहे अदालती मुकदमे और चुनावों को टालने का एक हथियार है। अमेरिका के नेतृत्व वाली पश्चिमी सरकारें गाजा में इस्राइली युद्ध को 'वैध आत्मरक्षा' बताकर और उसे युद्ध के हथियार मुहैया कराकर उसका समर्थन कर रही हैं। वे

नेतन्याहू के नेतृत्व वाली दक्षिणपंथी इस्राइली सरकार की युद्ध संबंधी कार्रवाइयों के विरुद्ध वैश्विक विरोध प्रदर्शनों को 'यहूदी–विरोधी' कहकर यहूदी धर्म को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। कहानी का दूसरा पहलू यह है कि गाजा में आईडीएफ सैनिक नियमित रूप से 'अरबों को मौत दो' और 'उनके गांव जला दो' जैसे नारे लगाते हैं लेकिन कोई भी उनकी निंदा नहीं करता है। कहानी का एक और पहलू हैकृ 'भूख को हथियार बनाना'। पहले इस्राइल ने गाजा को संयुक्त राष्ट्र की मानवीय सहायता पूरी तरह से रोक दी थी य फिर मई के अंत में, अंतर्राष्ट्रीय निंदा के दबाव में, मानवीय सहायता वितरण के लिए इसने अमेरिकी निजी सुरक्षा कंपनियों की देखरेख में अमेरिका–इस्राइल समर्थित गाजा मानवतावादी फाउंडेशन (जीएचएफ) की स्थापना की, जो केवल चार स्थानों से सहायता वितरित करने वाली एकमात्र एजेंसी है, जबकि मार्च से पहले चार सौ से ज्यादा स्थानों से सहायता वितरित की जा रही थी। संयुक्त राष्ट्र ने जीएचएफ प्रणाली को 'अपर्याप्त रूप से सुरक्षित' और 'हत्या का मैदान' कहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख ने गाजा में फलस्तीनी लोग सहायता नाकाबंदी को मानव निर्मित 'बड़े पैमाने पर भुखमरी' कहा है। 170 से अधिक गैर–सरकारी संगठनों ने जीएचएफ की खाद्य सहायता वितरण प्रणाली पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि इससे नागरिकों की मृत्यु और उनके जख्मी होने का खतरा है। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने इस्राइल और जीएचएफ पर फलस्तीनियों को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर करने हेतु भुखमरी को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, एक साथ ही गाजा युद्ध की समाप्ति और शांति की बात भी कर रहे हैं, जबकि इस्राइल के 'फलस्तीनी नरसंहार' को 'आत्मरक्षा' बताकर उचित भी ठहरा रहे हैं। ऐसा नहीं है कि शांति असंभव हैय शांति इसलिए नहीं हो रही है क्योंकि गाजा में 'नरसंहार' युद्ध पर हावी शक्तिओं को किसी भी राजनीतिक या आर्थिक कीमत चुकाने का डर नहीं है।

.... विविध ....

वक्त रहते संभल जाओ वरना उड़ जाएंगे सारे बाल

आजकल बाल झड़ना एक आम समस्या बन चुकी है। इसका एक बड़ा कारण हमारी खराब जीवनशैली और बिगड़ी हुई डाइट है। कई बार लोग मौसम को भी बाल झड़ने का कारण मानते हैं। दरअसल, हर मौसम में कुछ न कुछ बदलाव होते हैं जिनका असर हमारे बालों पर भी पड़ता है। लेकिन बारिश के मौसम में बाल सबसे ज्यादा झड़ते हैं। इस मौसम में न सिर्फ बाल कमजोर होते हैं, बल्कि गंजेपन का डर भी सताने लगता है। हेल्दी डाइट और लाइफस्टाइल की सलाह तो सब देते हैं... मगर एक गलती हम रोज कर रहे हैं अब तक आपने बालों को मजबूत बनाने के लिए अच्छी डाइट और सही लाइफस्टाइल की सलाह कई लोगों से सुनी होगी। लेकिन हम यहां आपको एक ऐसी गलती के बारे में बताएंगे, जिसे हम सभी अक्सर शफायदे की चीजश समझकर करते हैं, लेकिन असल में वही गलती हमारे बालों को और नुकसान पहुंचा सकती है।

रात की एक गलती जो आपको बना सकती है गंजा

जी हां, हम बात कर रहे हैं रात को सोने से पहले बालों में तेल लगाने की आदत की। आपको सुनकर हैरानी हो सकती है लेकिन यही आदत आपके बालों के झड़ने का कारण बन सकती है। तेल लगाना जरूरी है, लेकिन कैसे और कब – ये जानना ज्यादा जरूरी है। बालों में तेल लगाना एक हेल्दी आदत मानी जाती है। इससे बालों को पोषण मिलता है, स्कैल्प की मालिश होती है और जड़ें मजबूत होती हैं। लेकिन रातभर तेल लगाकर सो जाना सही तरीका नहीं है। डर्मेटोलॉजिस्ट डॉ. सुगन्या नायडू के मुताबिक, रात को तेल लगाकर सोने से कई नुकसान हो सकते हैं।

डॉक्टर क्या कहती हैं इस बारे में?

डॉ. सुगन्या बताती हैं कि ज्यादातर लोग सोचते हैं कि अगर वे बालों में भरपूर तेल लगाकर रातभर छोड़ देंगे, तो इससे बाल मजबूत होंगे और झड़ना बंद हो जाएगा। लेकिन असल में ऐसा होता नहीं है।

रातभर तेल लगाने से होते हैं ये नुकसानरू

तकिया ऑयली हो जाता है, जिससे उसमें धूल और गंदगी जम जाती है।

समय पर तकिया साफ न करने से चेहरे पर पिंपल्स और स्किन प्रॉब्लम्स हो सकती हैं।

तेल पूरी तरह से स्कैल्प में नहीं समाता और उल्टा स्किन पोर्स को ब्लॉक कर देता है, जिससे हेयर फॉल बढ़ सकता है।

तो तेल कब और कैसे लगाएं?

डॉक्टर के मुताबिक, बाल धोने से लगभग 45 मिनट पहले हल्का गुनगुना तेल लगाकर मालिश करें। फिर शैंपू से सिर धो लें। इससे बालों को पोषण भी मिलेगा और गंदगी भी नहीं जमेगी।

कुछ और गलतियां जो बालों को नुकसान पहुंचाती हैं

रोजाना शैंपू करना

कई लोग सोचते हैं कि सिर को साफ रखने के लिए रोज शैंपू करना चाहिए। हफ्ते में 4–5 बार शैंपू करना भी आम बात हो गई है। लेकिन डॉक्टर कहते हैं कि बार–बार शैंपू करने से हमारी स्कैल्प का नेचुरल ऑयल खत्म हो जाता है। इससे बाल ड्राय और कमजोर हो जाते हैं। साथ ही स्कैल्प जल्दी ऑयली हो जाती है, जिससे बाल जल्दी गंदे दिखते हैं। हफ्ते में सिर्फ 2–3 बार जेंटल शैंपू करें। बाकी दिनों में केवल साफ पानी से सिर धोना काफी है।

झाग वाला शैंपू ज्यादा अच्छा नहीं होता

अक्सर लोग सोचते हैं कि जिस शैंपू में ज्यादा झाग बनता है, वो बेहतर सफाई करता है। लेकिन ये सच नहीं है। डॉ. नायडू बताती हैं कि झाग वाला शैंपू केमिकल्स से भरपूर होता है। ये केमिकल्स धीरे–धीरे बालों को रूखा, बेजान और फ्रिजी बना देते हैं। माइल्ड और नैचुरल इंग्रीडिएंट्स वाला शैंपू चुनें। शैंपू करते समय बहुत ज्यादा झाग की उम्मीद न करें।

बार–बार हीट स्टाइलिंग करना

आजकल हर कोई सुंदर दिखने के लिए हेयर स्टाइलिंग टूल्स जैसे स्ट्रेटनर, कर्लर, ड्रायर का इस्तेमाल करता है। लेकिन ये सभी चीजें बालों को अंदर से जला देती हैं।

देवदास से सैयारा तक दर्शकों पर प्रेम का जादू

प्रेम कहानियों ने हमेशा ही परदे पर जादू किया है। 'देवदास' से शुरू हुए ऐसे कथानक मुगल–ए–आजम, बॉबी, एक दूजे के लिए और 'बेताब' से आज तक पसंद किए जाते हैं। ऐसी भावनात्मक कहानियों में नए चेहरे ज्यादा पसंद किये गये। हाल ही में रिलीज 'सैयारा' इसी शृंखला की अगली कड़ी है। लंबे अरसे बाद देखा गया कि किसी प्रेम कहानी ने दर्शकों को इतना ज्यादा प्रभावित किया, कि वे उसमें डूब से गए। अनजान हीरो अहान पांडे और हीरोइन अनीता पड्डा को देखकर थियेटर में युवा दर्शक आंखों से आंसू बहाते दिखाई दिए। प्यार एक जज्बात है। किशोर से लेकर अधेड़ व्यक्ति तक को सच्चे प्यार की तलाश होती है। स्वरूप चाहे अलग हो, मगर सच्चा प्यार सबकी चाहत होती है। सिर्फ फिल्म के परदे पर ही नहीं, आम लोगों की जिंदगी में भी प्रेम कहानियां होती है। लेकिन, जब दर्शक उन्हें परदे पर देखता है, तो उसे वो 'लार्जर देन लाइफ' नजर आती हैं। असल में दर्शक फिल्मों के जरिए अपने प्यार के सपनों को पूरा करने की कल्पना करता है। यही वजह है कि फिल्मों में प्रेम कहानियों पर बनी फिल्में ज्यादा पसंद की जाती हैं और बॉक्स ऑफिस पर ऐसी फिल्में कमाई का रिकॉर्ड बनाती हैं। दरअसल, सिनेमा में प्रेम कथाओं का इतिहास समृद्ध और विविधता से भरा रहा है। शुरुआती दौर से आज तक प्रेम, रोमांस और कोमल भावनाओं को प्रमुख विषय के रूप में फिल्माया जाता रहा है, जो दर्शकों की भावनाओं के साथ गहराई से जुड़ता है। फिल्म इतिहास में 1930 से 1950 के दशक में प्रेम कहानियों को सामाजिक और पारिवारिक मूल्यों के संदर्भ में दर्शाया गया था। उस दौर में 'देवदास' जैसी फिल्में बनी जिसने प्रेम, त्याग और

सामाजिक बंधनों जैसे मसलों को उजागर किया। तब प्रेम को आदर्शवादी और भावनात्मक रूप से चित्रित किया जाता था। इसके बाद फिल्में आजादी की कहानियों में उलझ गई। वहीं 1960–70 का दशक फिर प्रेम कहानियों से गुलजार रहा। इस दौरान प्रेम कहानियों में अधिक यथार्थवादी और समकालीन विषयों को शामिल किया गया। 'प्रेम कहानी' और 'लव स्टोरी' जैसी फिल्मों ने प्रेम और व्यक्तिगत संघर्षों के जटिल पहलुओं को दर्शाया। मनोरंजन के साथ इन फिल्मों ने प्रेम, दोस्ती और पारिवारिक रिश्तों के बदलते स्वरूपों पर भी प्रकाश डाला। वहीं 1980–90 के दशक की प्रेम कहानियों में संगीत, नृत्य और भावनात्मक दृश्यों का अधिक उपयोग किया गया। 'मैंने प्यार किया' और 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' जैसी फिल्मों ने युवा दर्शकों को आकर्षित किया और प्रेम को सुखद और आशावादी दृष्टिकोण से चित्रित किया। इन फिल्मों ने प्रेम, दोस्ती, और परिवार के महत्व पर जोर दिया। लेकिन, 2000 के बाद की लव स्टोरी में सामाजिक मुद्दे, अंतर–सांस्कृतिक प्रेम और प्रेम के विभिन्न रूप शामिल किए गए। 'गदर' और 'तेरे नाम' जैसी फिल्मों ने प्रेम, देशभक्ति और सामाजिक संघर्षों के बीच के जटिल संबंधों को उजागर किया। सच्ची घटनाओं पर बनी 'छपाक' जैसी फिल्में भी पसंद की गई।

अनोखा नहीं, पर सैयारा में भावनात्मक मस्का

'सैयारा' की सफलता की एक बड़ी वजह यह भी मानी जा सकती है कि दर्शक ओटीटी की उन फिल्मों और वेब सीरीज से ऊब चुके हैं, जिनमें हिंसा और खून खराबा ज्यादा हो। रणवीर कपूर की 'एनिमल' जैसी फिल्में भी कम नहीं। ऐसे माहौल में दर्शकों को कुछ अलग से मनोरंजन की जरूरत थी, जिसे 'सैयारा' ने काफी हद तक पूरा किया। देखा जाए तो फिल्म के कथानक में कोई नयापन नहीं है, जो दर्शकों को बांधकर रखे। ये फिल्म दक्षिण कोरिया की 2004 में आई फिल्म 'ए मोमेंट टू रिमेंबर' का अनऑफिशियल अडॉप्टेशन है। इसी कहानी पर 2008 में अजय देवगन की फिल्म 'मैं, तुम और हम' आ चुकी है। इसमें काजोल का किरदार अल्जाइमर से पीड़ित होता है। इस फिल्म से प्रभावित 'सैयारा' की कहानी लिखते समय ध्यान रखा गया कि खून खराबा से ऊबे दर्शकों को कैसे भावनात्मक तरीके से रुलाया जाए। नायक और नायिका में तालमेल भी मुश्किल से बनता है, पर जब दोनों एक–दूसरे की पीड़ा को समझते हैं, तो जुड़ जाते हैं। शराबी बाप का परेशान बेटा और अल्जाइमर की मरीज लड़की में नजदीकी बढ़ जाती है और इमोशनल दर्शक फिल्म को हिट करा देते हैं।

'सैयारा' ने बदला दर्शकों का मूड

आज के दौर में प्रेम कथा की नई परिभाषा रची है फिल्म 'सैयारा' ने। बिना प्रचार के आई नए कलाकारों की इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कमाई का कीर्तिमान रचा। हालांकि कहानी में कोई नयापन नहीं। 'सैयारा' की नई जोड़ी अहान पांडे और अनीता पड्डा में दर्शकों को नयेपन का अहसास हुआ। इसी ताजगी ने 'सैयारा' को सफलता दिलाई। हिंदी सिनेमा की करीब सवा सौ साल की यात्रा में दर्शकों को हमेशा से युवा सितारों की चाहत रही, जो बड़े परदे के जरिए उनके दिलों को धड़काए रखें। हालांकि, सिनेमा के शुरुआती दौर में हीरो कहीं से युवा दिखाई नहीं देते थे। फिर भी उन दिनों की परिस्थितियों के चलते दर्शक उनके आकर्षण में बंधे रहे।

लव स्टोरी के जरिए नए चेहरों का आगाज

सिनेमा में प्रेम कहानियां वाली फिल्मों में नए चेहरों को सामने लाने की एक परंपरा सी रही है। इतिहास गवाह है कि फिल्मों में नई उम्र की नई फसल लगाने के लिए प्यार की खेती सबसे ज्यादा उपजाऊ रहती है। फिर चाहे वह बॉबी (ऋषि कपूर–डिंपल कपाड़िया), ट्विंकल खन्ना–बॉबी देओल (बरसात), कुमार गौरव–विजयता पंडित (लव स्टोरी), संजय दत्त–टीना मुनीम (रॉकी),सनी देयोल–अमृता सिंह (बेताब), कमल हासन–रति अग्निहोत्री (एक दूजे के लिए), आमिर खान (कयामत से कयामत तक) हो या सलमान खान–भाग्यश्री (मैंने प्यार किया) हो। ये सभी पहली बार परदे पर आए थे। अजय देवगन–मधुश्री (फूल और कांटे), रितिक रोशन–अमीषा पटेल (कहो ना प्यार है), राहुल रॉय–अनु अग्रवाल (आशिकी), शाहिद कपूर–अमृता राव (इश्क–विश्क), दीपिका पादुकोण–शाहरुख खान (ओम शांति ओम), इमरान खान (जाने तू या जाने ना), रणबीर सिंह–अनुष्का सिंह (बैंड बाजा बारात), आलिया भट्ट–सिद्धार्थ–वरुण (स्टूडेंट ऑफ द ईयर) आदि भी नए चेहरे थे।

ये हैं परदे की अमर प्रेम कहानियां

प्रेम कहानियों के मामले में फिल्म जगत हमेशा से अमर रहा है। 'मुगल–ए–आजम' और 'देवदास' से लगाकर 'सैयारा' तक हर बार प्यार के रूहानी जज्बात को दर्शकों ने पसंद कर अपने दिलों में बसाया। हिंदी फिल्मों की अमर प्रेम कहानियों की फेहरिस्त बहुत लंबी और समृद्ध है।

भारी बारिश के बावजूद भी सावन के आखिरी सोमवार पर उमड़ी भीड़

अयोध्या। सावन के आखिरी सोमवार पर भारी बारिश के बावजूद भी आस्था का सैलाब नागेश्वर नाथ सहित विभिन्न शिवालयों पर दिखाई दे रही थी।भोर से ही जलाभिषेक के लिए शिव भक्तों की लंबी कतार देखी गई।जो जलाभिषेक करने के लिए काफी आतुर दिखाई दिए।इस मौके परबड़ी संख्या में शिव भक्तों ने सरयू में स्न्नान करते हुए दिखाई दे रहे थे। इस दौरान शिव भक्तों को किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े उसके लिए सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने किया व्यापक प्रबंध किए हुए थे।मंदिर के गर्भ गृह की क्षमता के अनुरूप श्रद्धालुओं को नागेश्वर नाथ में प्रवेश दिया जा रहा था।वही सरयू के तट से नागेश्वर नाथ मंदिर तक वैकल्पिक मार्ग तक व्यवस्था की गई थी। इसके अलावा राम जन्मभूमि परिसर तथा हनुमानगढ़ में भी श्रद्धालुओं की भारी संख्या में भीड़ दिखाई दी।वहीं सुरक्षा की दृष्टि से इस मौके पर सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अयोध्या मनोज शर्मा, थानाध्यक्ष राम जन्मभूमि अभिमन्यु शुक्ला,महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला सहित पर्याप्त संख्या में सुरक्षाकर्मी नागेश्वर नाथ सहित प्रमुख शिवालयों पर दिखाई दिए।वही एसएसपी डॉक्टर गौरव ग्रोवर एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी के साथ नागेश्वर नाथ सहित प्रमुख शिवालयों व मंदिरों पर जाकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और वहां पर तैनात सुरक्षा कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

14 कोसी व पंच कोसी परिक्रमा का निरीक्षण कर समय से पूरा करने के लिए कमिश्नर व डीएम ने संबंधित अधिकारियों को दिए निर्देश

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। कमिश्नर राजेश कुमार ने देर शाम को डीएम निखिल टीकाराम फुंडे के साथ जनपद अयोध्या में निर्माणाधीन चौदह कोसी व पंचकोसी परिक्रमा मार्ग के निर्माण कार्य में भूमिध्भवन अधिग्रहण से सम्बन्धित बाधाओं के निस्तारण एवं मार्ग निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा हेतु स्थलीय निरीक्षण किया।इस मौके पर अधिशासी अभियन्ता, नि० ख०–3 द्वारा मार्ग के संरेखण में भूमिध्भवन से सम्बन्धित विभिन्न बाधाओं से अवगत कराया गया।इस मौके पर इन दोनों अधिकारियो ने अधिशासी अभियन्ता, नि० ख०–3, लो०नि०वि०, अयोध्या व उपजिलाधिकारी (सदर) को निर्देशित किया गया कि मार्ग के संरेखण में आ रहे भवन, बाउन्ड्रीवाल इत्यादि हेतु जहाँ–जहाँ बैनामें हो चुके है एवं ध्वस्तीकरण शेष है, को लो०नि०वि० एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा एनाउन्समेन्ट कराते नियमानुसार उक्त भवनों ध बाउन्ड्रीवाल इत्यादि का ध्वस्तीकरण का कार्य कराना सुनिश्चित करें।परिक्रमा मार्ग के निर्माण कार्य में मैन पावर बढ़ाने एवं पर्याप्त मशीनरी आदि की व्यवस्था करते हुए निर्माण की गति को बढ़ाने एवं मार्ग पर डिवाइडर निर्माण के कार्य को अविलम्ब प्रारम्भ करने हेतु निर्देशित किया गया। जल निगम को जनौरा अण्डरपास से उदया तिराहा तक मार्ग के भाग में सीवर लाइन एवं वाटर सप्लाई लाइन के शेष कार्यों को अविलम्ब पूर्ण कराते हुए मार्ग को लोक निर्माण विभाग को उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया। लोक निर्माण विभाग, जल निगम एवं अन्य सम्बन्धित विभागो को आपस में समन्वय/ संवाद स्थापित करते हुए परिक्रमा मार्ग के निर्माण कार्य को मानक एवं विशिष्टयों के अनुरूप गुणवत्तापरक पूर्ण कराने हेतु निर्देशित किया गया।परिक्रमा मार्ग के निर्माण कार्य को आगामी माह अक्टूबर 2025 में जनपद अयोध्या का प्रान्तीयकृत दीपोत्सव, चौदह कोसी व पंचकोसी परिक्रमा मेले के आयोजन से पूर्व पूर्ण करा लिया जाये।

ताकि समय से उक्त प्रान्तीयकृत मेलो का ससमय आयोजन किया जा सके। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार, अपर जिलाधिकारी (एफ०आर) महेंद्र कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी (नगर) योगानंद पांडे, उप जिलाधिकारी (सदर) राम प्रसाद त्रिपाठी सहित कार्यदायी संस्था के अधिशासी अभियन्ता, सहायक अभियन्ता, निर्माण खण्ड–3, लो०नि०वि०, अयोध्या तथा अन्य अधिकारी / कर्मचारी उपस्थित रहें।

मेडिकल कालेज के छात्रों को राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने टैबलेट वितरित किए

देश की उपासना

धनन्जय विश्वकर्मा। जौनपुरः डिजिटल उपकरणों की उपलब्धता से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और तकनीकी संसाधनों तक आसान बेहतर तरीके से करने के लिए उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर में गिरीश चंद्र यादव राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार ने एम०बी०बी०एस० एवं पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा को प्रोत्साहित करने हेतु टैबलेट वितरित किए। इस अवसर पर मंत्री महोदय ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि डिजिटल उपकरणों की उपलब्धता से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और तकनीकी संसाधनों तक आसान बेहतर तरीके से कर सकेंगे। सरकार विद्यार्थियों के सर्वागीण विकास के लिए कृतसंकल्प है। यह वितरण कार्यक्रम प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही डिजिटल इंडिया मिशन के अंतर्गत युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रदेश सरकार युवा पीढ़ी को डिजिटल संसाधनों से लैस कर उन्हें ज्ञान आधारित समाज के निर्माण में सहभागी बनाना चाहती है। टैबलेट वितरण का उद्देश्य केवल एक उपकरण देना नहीं, बल्कि छात्रों

को तकनीक से जोड़कर उनकी शिक्षा को अधिक प्रभावी और समृद्ध बनाना है। यह टैबलेट वितरण कार्यक्रम डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने ओर तकनीकी सशक्ति के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न पहलों में से एक है। इससे मेडिकल क्षेत्र के विद्यार्थियों को ऑनलाइन अध्ययन सामग्री, ई–बुक्स, शैक्षणिक ऐप्स एवं ऑनलाइन कक्षाओं का लाभ सहज रूप से प्राप्त होगा। कार्यक्रम के नोडल डा० विनोद वर्मा ने माननीय मंत्री के इस बहुल्य समय के लिए हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया और छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि छात्र अपने विषय से संबंधित नवीनतम जानकारी इंटरनेट के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने साइबर सुरक्षा से जुड़ी जरूरी सावधानियों जैसे–पासवर्ड सुरक्षा, फिशिंग से बचाव, अनुचित सामग्री से दूरी इत्यादि के बारे में भी विद्यार्थियों को जागरूक किया। कार्यक्रम का संचालन बड़े सरल एवं मृदुल शब्दों में संकल्प एवं निष्ठा के साथ डॉ पूजा पाठक सहायक आचार्य कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान संस्थान की प्रधानाचार्य, डा० रूचिरा सेठी, उप प्रधानाचार्य प्रो० डा० आशीष यादव, मुख्य चिकत्सा अधीक्षक डा० ए०ए० जाफरी , प्रो० डा० भारती यादव, विभागध्यक्ष, एनॉटामी विभाग, डा०ले०सी०बी०एस०कर्नल पटेल, डा० मुदित चौहान, डाव आदर्श यादव, डा० नवीन सिंह, डा० पूजा पाठक, डा० प्रियंका, डा० अर्चना एवं लिपिक सुशील कुमार, अंकित जायसवाल, प्रभात गुप्ता, राजन प्रजापति, आकाश शर्मा, श्री शुभम यादव एवं सहायक कर्मचारी–जगरोशन चौहान, विपिन, सौरभ, दिग्विजय, विजय तथा एम०बी०बी०एस० एवं पैरामेडिकल छात्र/छात्राएं उपस्थित रहें।

प्रदेश में पर्यटन स्थलों के व्यापक विकास के लिए 359.85 करोड़ की परियोजनाएं स्वीकृत

लखनऊ। (आरएनएस) उत्तर प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री पर्यटन स्थलों के विकास योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2025–26 में सभी मंडलों के अंतर्गत आने वाले जनपदों के लिए पर्यटन विकास से जुड़ी नई परियोजनाएं स्वीकृत की हैं। इन परियोजनाओं की अनुमानित लागत कुल 359 करोड़ 85 लाख रुपये है। परियोजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए संबंधित जिलों में भूमि चयन, डीपीआर निर्माण, स्थलीय निरीक्षण और मिट्टी की जांच जैसे तकनीकी कार्यों के लिए विशेषज्ञ टैक्निकल टीमों को भेजे जाने की तैयारी भी की गई है।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत आगरा जनपद को विशेष प्राथमिकता दी गई है, जहां 28 परियोजनाएं अनुमोदित की गई हैं। आगरा ग्रामीण, फतेहपुर सीकरी, फतेहाबाद, आगरा दक्षिण, खैरागढ़, उत्तर, कैंट समेत विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में कुल मिलाकर कई प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों के पर्यटन विकास कार्य कराए जाएंगे। इनमें इटौरा का कैला माता मंदिर, शीतला कुंड धाम, सती माता मंदिर, पृथ्वी नाथ महादेव मंदिर, बाबा दीनदयाल धाम, नाथ संप्रदाय के प्राचीन मंदिर, गुरू का ताल गुरूद्वारा और पर्यटन कार्यालय के पुराने भवन का क्षीणोद्वार शामिल है।मंत्री ने बताया कि आगरा मंडल के अंतर्गत फिरोजाबाद जनपद में भी अनेक मंदिरों एवं धार्मिक स्थलों के लिए बड़ी धनराशि स्वीकृत की गई है।

संक्षिप्त खबरें

आईजी प्रवीण कुमार ने किया आधुनिक क्लासरूम व सिटिंग एरिया का उद्घाटन

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।शनिवार को पुलिस महानिरीक्षक प्रवीण कुमार ने एसएसपी डा.गौरव ग्रोवर के साथ पुलिस लाइन में फीता काटकर आधुनिक क्लासरूम व सिटिंग एरिया का उद्घाटन किया।उद्घाटन के बाद अधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षु आरक्षियों से संवाद किया और उनके प्रशिक्षण के बारे मे जानकारी हासिल किया।सभी को मनोयोग से प्रशिक्षण पूरा करने तथा बताई और सिखाई जा रही जानकारी को आत्मसात करने को कहा, जिससे भविष्य में वह अपने कर्मक्षेत्र में इस जानकारी का बेहतर उपयोग कर सकें। गैरतलब है कि

प्रशिक्षु आरक्षियों को नौ माह का आधारभूत प्रशिक्षण दिलाने के लिए पुलिस लाइन स्थित जिला प्रशिक्षण केंद्र क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र में उच्चीकृत किया गया है। प्रशिक्षण के लिए रिजर्व पुलिस लाइन परिसर में आधुनिक क्लासरूम तथा सिटिंग एरिया का निर्माण कराया गया है।उद्घाटन कार्यक्रम में एसपी देहात बलवंत चौधरी,एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी,अग्निशमन अधिकारी एमपी सिंह,प्रतिसार निरीक्षक संदीप राय,मुख्य आरक्षी उमाशकर समेत अन्य मौजूद रहे।

वसूली में लापरवाही पर राज्य कर के सभी 20 अपर आयुक्तों को थमाया गया नोटिस

लखनऊ, (संवाददाता)। वैट की बकाया वसूली में लापरवाही बरतने के आरोप में प्रदेश में राज्य कर विभाग के सभी 20 अपर आयुक्तों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। ये कार्रवाई प्रतिदिन व्यापारियों की कुर्की और वसूली का लक्ष्य पूरा न होने की वजह से की गई है। राज्य कर में पहली बार ये सख्त फैसला लिया गया है, जब एक साथ एक ही मामले में इतनी नोटिसें जारी की गई हैं। 2017 में जीएसटी लागू हुआ था। इससे पहले वैट व्यवस्था लागू थी। वैट के समय की बड़ी बकाया राशि जीएसटी पोर्टल पर दिख रही है। ये बकाया सेल्स टैक्स, प्रवेश कर और मनोरंजन कर आदि के रूप में है। इसकी वसूली के लिए प्रदेश के सभी अपर आयुक्तों को सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। इसके तहत प्रत्येक अपर आयुक्त को रोजाना कम से कम 10 रिकवरी सर्टिफिकेट जारी करने, 10 चल संपत्ति की कुर्की और एक अचल संपत्ति की कुर्की का लक्ष्य दिया गया है। इसके बावजूद रोजाना इस लक्ष्य को प्रदेश का एक भी अपर आयुक्त पूरा नहीं कर सका। इस पर उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए तत्काल स्पष्टीकरण मांगा गया है।

संक्षिप्त खबरें

प्रदेश के 24 जिलों में आज भारी बारिश का अलर्ट

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के तराई समेत विभिन्न इलाकों में कहीं हल्की तो कहीं मध्यम बारिश का सिलसिला जारी है। मौसम विभाग के मुताबिक अब मानसूनी बारिश का जोर पूर्वी तराई इलाकों श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, महराजगंज की ओर शिफ्ट होगा। साथ ही पूर्वांचल के इलाके में भी अच्छी बारिश के संकेत हैं। मौसम विभाग की ओर से शनिवार के लिए तराई और पूर्वांचल क्षेत्र के 24 जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं 51 अन्य जिलों में गरज चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरने की चेतावनी है। शुक्रवार को हाथरस में सर्वाधिक 112 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं इटावा में 90 मिमी, बागपत में 71 मिमी और बिजनौर में 65 मिमी बारिश हुई।आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मानसूनी ट्रफ लाइन प्रदेश के तराई इलाकों की ओर खिसका है। इसके असर से शनिवार से अगले दो दिन तराई व पूर्वांचल में भारी बारिश के आसार बन रहे हैं। सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, बाराबंकी, अयोध्या, अंबेडकर नगर, पीलीभीत व आसपास के इलाकों में। चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, राजधानी में अगले तीन दिनों तक मानसून मेहरबान रहने वाला है।

सुरक्षा बलों के कर्मियों के टैक्स रिफंड में हेराफेरी करने वाले के ठिकानों पर आईटी का छापा

लखनऊ, (संवाददाता)। आयकर विभाग की जांच इकाई ने शुक्रवार को मल्हौर स्थित शारदा ग्रीन सिटी निवासी प्रदीप गुप्ता के ठिकानों पर छापा मारा, जो सुरक्षा बलों के आयकर रिटर्न दाखिल करने के दौरान हेराफेरी कर बड़े पैमाने पर टैक्स चोरी को अंजाम दे रहा था। आयकर विभाग के अधिकारियों को उसके आवास से सशस्त्र सीमा बल, सीआरपीएफ, दिल्ली पुलिस, वायुसेना के तमाम कर्मियों के आयकर रिफंड के दस्तावेज मिले हैं, जिनकी संख्या 4 हजार से अधिक है। आयकर विभाग ने बीती 14 जुलाई देश भर के 150 ठिकानों पर छापा मारकर आयकर रिटर्न में कटौतियों और छूट दिलाने के फर्जीवाड़े का खुलासा किया था। इस दौरान यूपी के नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ, वाराणसी, अमरोहा, मुरादाबाद, गोंडा और सुल्तानपुर में भी कई वकील, चार्टर्ड अकाउंटेंट और बिचौलियों के ठिकानों पर छापे मारे गए थे। इस मामले की जांच के बाद आयकर विभाग ने शुक्रवार को फिर लखनऊ और गोंडा में दो टैक्स प्रैक्टिशनर के ठिकानों को खंगाला है। जांच में पता चला कि कुछ वकील और चार्टर्ड अकाउंटेंट मल्हौर निवासी प्रदीप गुप्ता के जरिए सुरक्षाबलों के कर्मचारियों के टैक्स रिफंड में फर्जीवाड़ा कर टैक्स में छूट हासिल कर रहे थे। इससे सरकार को करोड़ों रुपये के राजस्व की हानि हो रही थी। आयकर विभाग को तमाम वकीलों और चार्टर्ड अकाउंटेंट का ब्योरा भी मिला है, जिनके लिए प्रदीप गुप्ता काम कर रहा था। अधिकारी अब यह पता लगा रहे हैं ।

सम्भव अभियान कार्यक्रम की समीक्षा बैठक में मंत्री बेबी रानी मौर्य ने दिए निर्देश

लखनऊ (आरएनएस) आज सर्किट हाउस में महिला कल्याण, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार राज्य मंत्री श्रीमती बेबी रानी मौर्य द्वारा सम्भव अभियान कार्यक्रम, जनपद के विभागीय कार्यों एवं संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मंत्री ने कहा कि महिला एवं बच्चों के प्रति सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ काम कर रही है और उनके जीवन को बेहतर एवं सशक्त बनाने के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ सभी पात्र लाभार्थियों तक सुनिश्चित किया जा रहा है।मंत्री ने सम्भव अभियान 5.0 के तहत पोषण जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान तीन गर्भवती महिलाओं की गोद भराई एवं तीन बच्चों को अन्नप्राशन कराया गया।विभागीय समीक्षा के दौरान मंत्री ने जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं सीएमओ को निर्देश दिए कि आंतर्विभागीय समन्वय स्थापित करते हुए पात्र लाभार्थियों को विभागीय योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाया जाए। जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया गया कि कैंट क्षेत्र और जनपद के अन्य इलाकों में जहां आंगनबाड़ी केंद्रों की आवश्यकता है, उसकी रिपोर्ट तैयार कर जल्द भेजी जाए। साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों पर राशन वितरण और अन्य आवश्यक सुविधाएं समय से उपलब्ध कराई जाएं।जनपद में निर्माणाधीन 55 नए आंगनबाड़ी केंद्रों की समीक्षा करते हुए मंत्री ने कहा कि कार्य शीघ्र पूरा कर केंद्रों का संचालन सुनिश्चित किया जाए। कुपोषित बच्चों की नियमित मॉनीटरिंग और उन्हें कुपोषण मुक्त करने हेतु आवश्यक कार्यवाही निरंतर जारी रखी जाए।मंत्री ने जिला प्रोबेशन अधिकारी को 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ', 'कन्या सुमंगला योजना', तथा निराश्रित महिलाओं के लिए पेंशन जैसी कल्याणकारी योजनाओं से पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित करने और नए पेंशन लाभार्थियों की पहचान कर उन्हें जोड़ने के निर्देश भी दिए। उन्होंने महिला शरणालय और बालगृह की नियमित निगरानी एवं सुविधाओं के सुचारू संचालन पर भी विशेष ध्यान रखने को कहा।जिला प्रोबेशन अधिकारी अनुपम यादव ने बताया कि 22 बच्चों का प्रवेश डीपीएस विद्यालय में कराया गया है तथा अन्य दी जा रही सुविधाओं की रिपोर्ट मंत्री के समक्ष प्रस्तुत की गई, जिसका मंत्री ने सकारात्मक कार्य के रूप में सराहना की।इस अवसर पर विधायक मेरठ कैंट अमित अग्रवाल, सीएमओ डॉ. अशोक कटारिया, जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरेश कुमार गुप्ता, जिला सूचना अधिकारी सुमित कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश में मनरेगा के क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं कड़ाई के निर्देश

लखनऊ (आरएनएस) उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मनरेगा योजना के क्रियान्वयन में पूरी पारदर्शिता, संवेदनशीलता एवं गंभीरता के साथ काम करने के निर्देश समस्त संबंधित अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि योजना की निगरानी कड़ाई से की जाएगी और यदि कहीं कोई अनियमितता या लापरवाही पाई जाती है तो दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही, अच्छे कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रोत्साहित भी किया जाएगा।ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के नए निर्देशों के तहत ग्राम्य विकास विभाग मुख्यालय ने समस्त जिलाधिकारियों एवं जिला कार्यक्रम समन्वयकों को मनरेगा के अंतर्गत कार्यरत मजदूरों की उपस्थिति से संबंधित दिशा–निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों के अनुसार जिला और विकास खण्ड स्तर पर समर्पित एनएमएमएस निगरानी प्रकोष्ठों का गठन किया जाएगा, जो अपलोड की गई तस्वीरों की दैनिक जांच, सत्यापन और विसंगतियों की रिपोर्टिंग के लिए जिम्मेदार होंगे।निगरानी तीन स्तरों पर की जाएगी। पंचायत स्तर पर पदाधिकारी, ग्राम रोजगार सेवक एवं पंचायत सचिव सभी अपलोड की गई तस्वीरों और उपस्थिति का शत–प्रतिशत सत्यापन करेंगे। विकास खण्ड स्तर पर कार्यक्रम अधिकारी, ब्लॉक स्तरीय स्थायी कर्मचारी एवं संविदा कर्मी प्रत्येक 200 तस्वीरों या अपलोड की गई तस्वीरों के 20 प्रतिशत की रैंडम जांच करेंगे। जिला स्तर पर जिला कार्यक्रम समन्वयक 30 तस्वीरों की जांच करेंगे, जबकि जिला स्तरीय स्थायी एवं संविदा कर्मचारी भी निर्धारित संख्या में तस्वीरों का रैंडम सत्यापन करेंगे।अपलोड की गई सभी तस्वीरें और उपस्थिति विवरण अनिवार्य रूप से डाउनलोड कर जिला कार्यालय की हार्ड डिस्क में संरक्षित किए जाएंगे। जिले अपने अधिकार क्षेत्र की सभी ग्राम पंचायतों से प्रत्येक कार्य एवं दिन के लिए अपलोड की गई तस्वीरों की साफ्ट कॉपी सुरक्षित रखेंगे, जिसे निरीक्षण या सामाजिक अंकेक्षण के दौरान प्रमाण के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। ये अभिलेख कम से कम एक वर्ष या सामाजिक अंकेक्षण होने तक रखे जाएंगे। नव विकसित प्रणाली लागू होने तक मैन्युअल सत्यापन प्रक्रिया जारी रहेगी।आयुक्त ग्राम्य विकास जीएस प्रियदर्शी ने बताया कि इस निगरानी तंत्र और सुधारात्मक उपायों का उद्देश्य जवाबदेही स्थापित करना, डेटा की अखंडता सुनिश्चित करना और मनरेगा कार्यों में जनता का विश्वास बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास मंत्रालय के निर्देशों का कड़ाई से पालन करते हुए सभी जनपदों को प्रति दिन रिपोर्ट मनरेगा मुख्यालय को प्रेषित करने के निर्देश दे दिए गए हैं।

बुंदेलखण्ड विकास निधि से जालौन को 1.39 करोड़ की सौगात

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार ने बुंदेलखण्ड क्षेत्र के सतत विकास के उद्देश्य से वित्तीय वर्ष 2025–26 में बुंदेलखण्ड विकास निधि (राज्यांश) के अंतर्गत जनपद जालौन को 1 करोड़ 39 लाख 61 हजार रुपये की धनराशि मंजूर की है। यह धनराशि जिले की एक महत्वपूर्ण सड़क परियोजना के क्रियान्वयन के लिए स्वीकृत की गई है, जिससे ग्रामीण संपर्क में सुधार होगा और स्थानीय निवासियों को बेहतर आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी।नियोजन विभाग द्वारा जारी शासनादेश के अनुसार यह धनराशि जनपद जालौन के गौरा भूपका से इटवां कनार संपर्क मार्ग के निर्माण पर व्यय की जाएगी। शासनादेश की प्रति मुख्य विकास अधिकारी, जालौन को भेज दी गई है ताकि निर्माण कार्यों की प्रक्रिया में तेजी लाई जा सके।शासनादेश में यह भी स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि स्वीकृत धनराशि का उपयोग केवल निर्धारित परियोजना पर ही किया जाए और सभी निर्माण कार्य मानक विशिष्टियों के अनुरूप हों। किसी अन्य प्रयोजन में इस राशि का प्रयोग पूर्णतः वर्जित रहेगा।यह परियोजना बुंदेलखण्ड क्षेत्र के ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। संपर्क मार्ग के निर्माण से क्षेत्र के सामाजिक व आर्थिक विकास को भी बल मिलेगा।

उत्तर प्रदेश में औद्यानिक फसलों के निर्यात को बढ़ावा देने हेतु पहली बैठक और कार्यशाला का आयोजन

लखनऊ (आरएनएस) के उद्यान निदेशालय के ऑडिटोरियम में शुक्रवार को उत्तर प्रदेश राज्य औद्यानिकी निर्यात प्रोत्साहन बोर्ड की पहली बैठक एवं निर्यात प्रोत्साहन कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह मुख्य अतिथि थे।मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रदेश का उद्यान विभाग निरंतर प्रगति कर रहा है। किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य और वैश्विक पहचान दिलाने के लिए राज्य सरकार ने यह बोर्ड गठित किया है। उन्होंने बताया कि हाल ही में संपन्न आम महोत्सव 2025 ने प्रदेश की ब्रांडिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे उत्तर प्रदेश का आम रूस जैसे देशों में 800 रुपये प्रति किलो तक बिक रहा है।उन्होंने निर्यातकों और किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) से प्रदेश की स्थानीय फसलों को वैश्विक मानकों के अनुरूप तैयार करने का आग्रह किया। छोटे–छोटे एफपीओ अपनी विशिष्ट फसलों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर ले जाएं। जेवर एयरपोर्ट के निर्माण के पूरा होने पर फल–सब्जियों और कृषि उत्पादों का हवाई मार्ग से निर्यात बढ़ेगा। इसके साथ ही खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना पर वित्तीय सहायता दी जा रही है। आगरा में आलू का अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान केंद्र भी स्थापित किया जा रहा है। विभाग ब्लॉक वन क्रॉप और विभिन्न तकनीकी कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए काम कर रहा है।कार्यशाला के अंत में उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग और एग्रीकल्चर फाइनेंस कॉरपोरेशन इंडिया लिमिटेड (नाबार्ड की अनुषंगी संस्था) के बीच सिंगल विंडो समाधान हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। यह समझौता निर्यात से जुड़े एफपीओ, एफपीसी और उद्यमियों को तकनीकी, वित्तीय और प्रक्रिया संबंधी सहायता एक ही मंच पर प्रदान करेगा।अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण बीएल मीणा ने बताया कि बोर्ड का उद्देश्य निर्यात प्रोत्साहन हेतु समस्त हितधारकों के मध्य समन्वय स्थापित करना और निर्यात मांग के अनुरूप गुणवत्तायुक्त उत्पाद उपलब्ध कराना है। औद्यानिक फसल कम क्षेत्रफल में अधिक लाभ देती है और निर्यात से किसानों की आमदनी में वृद्धि होगी।निदेशक कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापार टीके शिबू ने बताया कि निर्यातक प्रदेश की उपज को देश–विदेश में भेजने का कार्य कर रहे हैं, जिन्हें सरकार द्वारा विभिन्न सुविधाएं दी जा रही हैं।कार्यशाला में सीआईएसएच लखनऊ के वैज्ञानिक डॉ. कर्मवीर ने कृषि प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी। एपीडा के उपमहाप्रबंधक डॉ. सीबी सिंह ने प्रदेश के औद्यानिक उत्पादों के निर्यात की स्थिति और संभावनाओं पर प्रकाश डाला। डेलायट के प्रतिनिधि शाश्वत देवरा ने निर्यात के वर्तमान और संभावित बाजारों का विश्लेषण प्रस्तुत किया। लैम्पेरो फोस स्मार्ट ग्रीन फ्रेंचाइजी के सव्यसाची दत्ता ने औद्योगिक क्लस्टर मॉडल को निर्यात में सहायक बताया।

निजीकरण के विरोध में पूरे हुए 250 दिन फिर भी नहीं हुआ निजीकरण निरस्त, आंदोलन जारी।

देश की उपासना
धनन्जय विश्वकर्मा

जौनपुर। आन्दोलन के 250 दिन पूरे होने पर बिजली कर्मियों ने प्रान्त भर में व्यापक विरोध प्रदर्शन कर व्यक्त किया आक्रोश। निजीकरण और उत्पीड़नात्मक कार्रवाइयों के वापस होने तक संघर्ष जारी रखने का संकल्प निजीकरण के विरोध में चल रहे आंदोलन के 250 दिन पूरे होने पर आज बिजली कर्मचारियों, संविदा कर्मियों , जूनियर इंजीनियरों और अभियंताओं ने प्रदेश के समस्त जनपदों और परियोजनाओं पर जोरदार विरोध प्रदर्शन कर अपना आक्रोश व्यक्त किया। बिजली कर्मियों ने संकल्प लिया कि जब तक निजीकरण का निर्णय निरस्त नहीं किया जाता और समस्त उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियां वापस नहीं ली जाती संघर्ष जारी रहेगा। राजधानी लखनऊ में मध्यांचल मुख्यालय पर भारी बारिश के बीच बिजली कर्मियों ने विरोध प्रदर्शन जारी रखा। संघर्ष समिति के केन्द्रीय पदाधिकारियों ने कहा कि शीर्ष प्रबन्धन की निजी घरानों के साथ मिलीभगत है और आठ माह से निजीकरण न कर पाने के कारण हताश प्रबंधन बिजली कर्मियों का लगातार उत्पीड़न कर रहा है। संघर्ष समिति ने कहा कि उत्पीड़न का उद्देश्य बिजली कर्मियों का मनोबल तोड़ना है किंतु बिजली कर्मी किसी कीमत पर निजीकरण स्वीकार नहीं करेंगे। उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियां समाप्त कराने हेतु संघर्ष समिति की मांग है कि मार्च 2023 की हड़ताल के बाद ऊर्जा मंत्री द्वारा समस्त उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियों के वापस लिये जाने के निर्देश के अनुपालन में समस्त उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियां वापस ली जाय। निजीकरण के नाम पर 55 साल की उम्र और डाउन साइजिंग के नाम पर हटाये गये सभी संविदा कर्मी बहाल किये जाय। उत्पीड़न की दृष्टि से बिजली कर्मियों के किये गये सभी ट्रांसफर निरस्त किये जाय। फेसियल अटेंडेंस के नाम पर जून और जुलाई माह का रोका गया वेतन तत्काल बिजली कर्मियों को दिया जाय। उत्पीड़न के नाम पर स्टेट विजिलेंस की जांच कराकर शीर्ष पदाधिकारियों के विरुद्ध की गई फर्जी एफ आई आर वापस ली जाए। रियायती बिजली की सुविधा समाप्त करने की दृष्टि से धमकी देकर जोर जबरदस्ती से स्मार्ट मीटर लगाने की कार्यवाही तत्काल बन्द की जाय। आज वाराणसी, आगरा, मेरठ, कानपुर, गोरखपुर, मिर्जापुर, आजमगढ़, बस्ती, अलीगढ़, मथुरा, एटा, झांसी, बांदा, बरेली, देवीपाटन, अयोध्या, सुल्तानपुर, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, बुलंदशहर, नोएडा, गाजियाबाद, मुरादाबाद, हरदुआगंज, जवाहरपुर, परीक्षा, पनकी, ओबरा, पिपरी और अनपरा में मुख्यतया बड़ी विरोध सभा और प्रदर्शन किया गया।

भाविप शौर्य की नई कार्यकारिणी गठित, दायित्वधारियों ने ली शपथ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भारत विकास परिषद शौर्य के संस्थापक डा. संदीप पाण्डेय के नेतृत्व में शहर के प्रतिष्ठित सभागार में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें संगठन के वर्ष 2025कृ26 के लिये नई कार्यकारिणी का गठन हुआ और दायित्वधारियों ने अपने कार्य के प्रति शपथ ली। सर्वप्रथम कार्यक्रम का प्रारम्भ भारत माता एवं स्वामी विवेकानन्द के चित्र पर पुष्प अर्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन करके किया गया। ज्योति श्रीवास्तव ने वन्दे मातरम गीता गाया एवं विष्णु प्रिया मिश्र ने गणेश वन्दना पर नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि काशी प्रान्त के प्रान्तीय अध्यक्ष अजीत मेहरोत्रा द्वारा इस नवीन कार्यकारिणी में अध्यक्ष डा. सन्दीप पाण्डेय, सचिव अवधेश गिरी, कोषाध्यक्ष जनार्दन पाण्डेय को शपथ दिलाई गई। इसके पश्चात संस्थापकध्अध्यक्ष डा. सन्दीप पाण्डेय के द्वारा सम्पूर्ण कार्यकारिणी जिसमें गतिविधि संयोजक संस्कार नीरज श्रीवास्तव, गतिविधि संयोजक सम्पर्क अतुल जायसवाल, गतिविधि संयोजक सेवा दया निगम, गतिविधि संयोजक पर्यावरण पंकज सिंह, गतिविधि संयोजक महिला प्रियंका पाण्डेय, संगठन सचिवध्शाखा प्रबन्धक जयशंकर सिंह, उपाध्यक्ष अमित पाण्डेय, राजीव श्रीवास्तव, प्रकल्प प्रमुख भारत को जानो नित्यानन्द पाण्डेय, प्रकल्प प्रमुख समूहगान सुजीत श्रीवास्तव, गुरू वन्दन छात्र अभिनन्दन रंजीत सिंह सोनू, प्रकल्प प्रमुख संस्कृति सप्ताह डा. आशुतोष सिंह, सह कोषाध्यक्ष अतुल मिश्र, सह सचिव डा. गिरीश सिंह, प्रकल्प प्रमुख महापुरूष जयन्ती रमेश श्रीवास्तव, प्रकल्प प्रमुख स्वामी विवेकानन्द जयन्ती प्रमोद मौर्य, दिव्यांग सहायता डा. राजेश, प्रमोद सैनी, प्रकल्प प्रमुख संस्कार राहुल पाण्डेय को शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि पूर्व नेशनल वाइस चेयरमैन राष्ट्रीय समूहगान नवीन श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में परिषद के पांचों सूत्र सम्पर्क, सहयोग, संस्कार, सेवा, समर्पण को प्रभु श्रीराम चन्द्र के चरित्र एवं उनके परिवार की अलगकृअलग शब्दों में व्याख्या करके बड़े ही शिक्षाप्रद तरीके से समझाया। उन्होंने शौर्य परिवार के कार्यों की अत्यन्त सराहना की और कहा कि संगठन ने अपने कार्यों से राष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान बनाई है। विशिष्ट अतिथि अजीत मेहरोत्रा ने अपने उद्बोधन में संगठन के मुख्य पदाधिकारियों के अलगकृअलग नामों को उनके कार्यों के साथ जोड़कर एक माला का निर्माण कर दिया। उन्होंने कहा कि संगठन इसी प्रकार से अच्छे से अच्छा कार्य करता रहे और प्रान्त सदैव आपके साथ हर समय खड़ा रहेगा। विशिष्ट अतिथि प्रान्तीय सचिव विष्णु सेठ ने भी शौर्य परिवार को इस कार्यकाल के लिये शुभकामनाएं दी। अध्यक्षीय शपथ लेने के पश्चात डा. सन्दीप पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में पिछले 2 वर्षों के कार्यों को विस्तार से बताया जिसमें भारत को जानो, समूहगान, स्वामी विवेकानन्द जयन्ती इत्यादि कार्यक्रमों की चर्चा की जिससे संगठन को विभिन्न कार्यक्रमों में सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार भी प्राप्त हुए। स्वामी विवेकानन्द जयन्ती के कार्यक्रम ने भारत विकास परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी तक अपना डंका बजाया। उन्होंने विश्वास दिलाया कि शौर्य परिवार अपनी परिपाटी के अनुसार इस वर्ष भी नये कीर्तिमान स्थापित करेगा। इस कार्यक्रम में डा. शैलेश सिंह, डा. रामनारायण सिंह, कंचन पाण्डेय, डा. पूनम सिंह, सुनील सिंह, सन्दीप चौधरी, निशा गिरी, मीनू श्रीवास्तव, साधना जायसवाल, पिंकी पाण्डेय, अंजू सिंह, सुधा पाण्डेय, जया सिंह, नवीन मिश्र, प्रज्ञा मिश्रा, रायसाहब शर्मा, अरविन्द गिरी, संजीव शर्मा, पूनम गिरी, अनीता सिंह, वर्षा चौधरी, नेहा मिश्रा, गुरूप्रीत कौर, राहुल अग्रहरि, देवीसेवक शुक्ल आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन अमित पाण्डेय एवं जनार्दन पाण्डेय ने तथा सभी के प्रति आभार दया निगम ने व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

ताइक्वांडो खिलाड़ी मनोज वर्मा ने सिविल डिफेंस का नाम रोशन किया

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

लखनऊ। ताइक्वांडो हॉल ऑफ फेम इंडिया के चेयरमैन जिम्मी आर जगतियानी द्वारा मुख्य अतिथि टीएफआई अध्यक्ष एमएलसी पवन सिंह चौहान की उपस्थिति में ताइक्वांडो खेल के क्षेत्र में बेहतरीन और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी मनोज वर्मा को ताइक्वांडो हॉल ऑफ फेम इंडिया 2025 अवार्ड से सम्मानित किया गया। फाउंडर एण्ड फादर ऑफ ताइक्वांडो इन इंडिया ग्रैंड मास्टर जिम्मी आर जगतियानी ने हजरतगंज स्थित हलवासिया कोर्ट में 1985 से ताइक्वांडो खिलाड़ी के रूप में शुरुआत करने वाले मास्टर मनोज वर्मा को ताइक्वांडो खेल के क्षेत्र में 40 वर्ष की लंबी और उत्कृष्ट सेवा के लिए ष्पायनियर ऑफ ताइक्वांडो कैटेगरी में सम्मानित किया। मास्टर मनोज वर्मा ने ताइक्वांडो में 1990 – 91 में ब्लैक बेल्ट प्राप्त की थी, बाद में 1991–92 में सेकेंड डॉन ब्लैक बेल्ट की डिग्री हासिल की। यही नहीं

मास्टर मनोज ने नेशनल इंस्ट्रक्टर और नेशनल रेफरी की भी योग्यता हासिल कर रखी है। मास्टर मनोज वर्मा ने बताया कि वर्तमान में वो सिविल डिफेंस विभाग में लखनऊ में सीनियर असिस्टेंट डिप्टी कंट्रोलर के पद पर राजपत्रित अधिकारी के रूप में कार्यरत है और आजादी की 75वी वर्षगांठ पर उनको विभाग में विशिष्ट कार्यों के लिए राष्ट्रपति पदक से अलंकृत किया गया था। वर्ष 1994 में दिल्ली में उन्होंने फायर कंपटीशन में गोल्ड मेडल प्राप्त किया था। यही नहीं आर्म्स रेसलिंग एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष पद के साथ साथ लखनऊ रोलबॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन के पद की जिम्मेदारी भी मनोज वर्मा के द्वारा निभाई जा रही है। इस अवसर पर मास्टर महेंद्र मोहन जायसवाल, पीटर जगतियानी, कल्कि मार्शल आर्ट के फाउंडर गौरव सिंह चौहान, खिलाड़ी और वकील राजेश कुमार सिंह, मास्टर मनोज शर्मा, राम सिंह, व निशा सिंह को भी सम्मानित किया गया। ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष संजय सिंह, चेयरमैन जी डी गोयनका सर्वेश कुमार गोयल, मास्टर रूपकमल नंदी, परख कुमार श्रीवास्तव, सिविल डिफेंस के उपनियंत्रक रविन्द्र कुमार, सीनियर असिस्टेंट डिप्टी कंट्रोलर ऋषि कुमार, ममता रानी, मुकेश कुमार, रेखा पांडेय ने मनोज वर्मा को ताइक्वांडो हॉल ऑफ फेम इंडिया 2025 से सम्मानित किए जाने पर शुभकामनाएं व बधाई दी।

14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका दिवस' के अवसर पर तिरंगा यात्रा निकली जाएगी : जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में आगामी त्यौहारो, कानून व्यवस्था, हर घर तिरंगा और ड्रोन परिचालन सहित अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं के संबंध में प्रेस वार्ता की गयी। उन्होंने बताया कि हर घर तिरंगा कार्यक्रम तीन चरणों में आयोजित किया जायेगा, जिसमें 02 अगस्त से 08 अगस्त तक विद्यालयो में रंगोली, तिरंगा प्रदर्शनी, तिरंगा स्वरुप राखी बनाने की कार्यशाला सहित विभिन्न प्रतियोगिताए आयोजित की जाएगी, लोगो को स्वतंत्रता सेनानी पिंगली वेंकैया के राष्ट्रीय ध्वज के डिजाईन में उनके योगदान से अवगत कराया जाएगा। 09 अगस्त से 12 अगस्त तक तिरंगा महोत्सव व मेला का आयोजन जनसहभागिता के साथ किया जाएगा साथ ही लोग तिरंगा विद सेल्फी को पोर्टल पर अपलोड करेंगे। आगामी 13 अगस्त से 15 अगस्त तक सरकारी व निजी कार्यालयों, संस्थानों और लोगों के घरों में तिरंगा प्रदर्शित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने सभी जनपद वासियों से अपील किया है कि इस दौरान सभी लोग सम्मान के साथ अपने अपने घरों पर तिरंगा लगाए। 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका दिवस' के अवसर पर तिरंगा यात्रा निकली जाएगी जिसमें स्कूल, कॉलेजों व अन्य संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे तथा विभाजन के स्मृतियों को याद करते हुए मौन यात्रा निकाली जाएगी। 15 अगस्त को 'स्वतंत्रता दिवस' के अवसर पर भव्य रूप से सभी सरकारी कार्यालयों, निजी कार्यालयों, पंचायत भवनों, सहकारी समितियों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में तिरंगा फहराया जाएगा तथा राष्ट्रगान गाया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि 'इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस का टैग लाइन है ''मिट गये जाने कितने इसके मान में, हर घर तिरंगा फहरायेंगे उनकी शान में''।' जिलाधिकारी ने बताया कि शासन के निर्देश कि क्रम में जनपद में रक्षाबंधन के अवसर पर आगामी 08 अगस्त की सुबह 06 बजे से 10 अगस्त की रात्रि 12 बजे तक यू0पी0एस0आर0टी0सी0 की बसों व नगरीय बस सेवा की बसों में महिलाओं को निःशुल्क यात्रा की व्यवस्था की जायेगी। 16 अगस्त को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व मनाया जाएगा, इसके दृष्टिगत मन्दिरों में साफ–सफाई, सुरक्षा व अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित किये जाने के निर्देश सम्बन्धित विभागों को दिये गये है। शोभायात्रा के लिए आयोजक स्थानीय प्रशासन से अनुमति अवश्य लें। यह सुनिश्चित किया जाए कि माइक, लाउडस्पीकरों की आवाज निर्धारित मानक से अधिक न हो। जिलाधिकारी ने स्पष्ट रूप से बताया कि जनपद में ड्रोन से दहशत फैलाने वालों व अनधिकृत रूप से ड्रोन का इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए पुलिस विभाग के द्वारा थानावार सूची तैयार करायी जायेगी। उन्होंने कहा कि ड्रोन का परिचालन बिना अनुमति के नही होनी चाहिए, अन्यथा की दशा में प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि अफवाहों के कारण किसी भी प्रकार कोई अप्रिय घटना घटित न हो इसके लिए पुलिस प्रशासन सक्रिय रहे। सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से लोगो को सही सूचनाएं दी जाए। किसी प्रकार की पैनिक अथवा अफवाह प्रसार की स्थिति न बने। जिलाधिकारी ने बेसिक शिक्षा विभाग को निर्देश दिया गया है कि मानक के अनुरूप ही स्कूलों की पेयरिंग की जाए। बच्चों की पढ़ाई में किसी प्रकार की कोई बाधा नहीं आनी चाहिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयवर चौहान, अपर पुलिस अधीक्षक आयुष श्रीवास्तव, नगर मजिस्ट्रेट इन्द्र नन्दन सिंह, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय सहित अन्य अधिकारीगण और सम्मानित पत्रकार बन्धु उपस्थित रहे।

गोमती का जलस्तर बढ़ने से प्रशासन एलर्ट, सभी तहसीलों के एसडीएम को सतर्क रहने के निर्देश : जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। गोमती नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। शनिवार और रविवार सुबह हुई बारिश के कारण नदी का जलस्तर बढ़कर 11 फीट तक पहुंच गया है। अभी यह खतरे के निशान से 13 फिट नीचे है। पानी बढ़कर शाहीपुल स्थित गोमतेश्वर नाथ मंदिर तक पहुंच गया है। इससे चकप्यार अली और बलुआ घाट के निचले इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए खतरा बढ़ गया है। केराकत में निर्माणाधीन टाई नाले की पुलिया तक गोमती का पानी पहुंचने से कई गांवों का संपर्क टूट गया है। प्रशासन ने बढ़ते जलस्तर को देखते हुए सभी एसडीएम को सतर्क रहने का निर्देश दिया है। शनिवार रात तक गोमती का जलस्तर सात फिट था। अब यह तेजी से बढ़ रहा है। इससे तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों की परेशानियां बढ़ गई हैं।रविवार को अस्थाई सड़क पर पानी पहुंचने से केराकत–खुज्जी मार्ग अवरुद्ध हो गया है। इससे कई गांवों का संपर्क टूट गया है।नदी के तटीय इलाके वाले गांव जैसे सरोजबड़ेवर, सरौनी पूरब पट्टी और चकरारेत जोखुआना में पानी पहुंचने से खतरा बढ़ रहा है। लगभग सौ एकड़ की फसल जलमग्न हो चुकी है। कुछ गांवों में खेतों तक जाने वाले रास्ते भी बाधित हो गए हैं।मापक केंद्र पसेंवा के अनुसार, जलस्तर बढ़ने की रफ्तार तीन से चार सेंटीमीटर प्रति घंटे है।इस मामले में सोमवार को बात करते हुए जिलाधिकारी डॉ दिनेश चंद्र सिंह ने बताया कि लेखपालों को आवश्यक दिशा–निर्देश दे दिए गए हैं। गोमती नदी के किनारे वाले गांवों पर नजर रखी जा रही है। जौनपुर में बाढ़ से बचाव और राहत के लिए जिला प्रशासन ने पूरी तैयारी कर ली है। नियंत्रण और निगरानी के लिए 48 चौकियां बनाई गई हैं। 42 गोताखोरों की व्यवस्था की गई है। सभी तहसीलों के एसडीएम को सतर्क रहने का निर्देश दिया गया है। छह तहसीलों में प्रभावित होने वाले 347 गांवों को चिह्नित कर विशेष निगरानी रखी जा रही है।

वाहनो की चेकिंग के दौरान दो अभियुक्तों को पुलिस ने 20 किलो 870 ग्राम गाँजा व एक मारुति के साथ किया गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मीरगंज थाना अंतर्गत पुलिस नें रविवार को संदिग्ध वाहनो की चेकिंग के दौरान दो अभियुक्तों को 20 किलो 870 ग्राम नाजायज गाँजा व एक मारुति सुजुकी के साथ गिरफ्तार किया है। इस मामले में रविवार को जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकारी मछलीशर प्रतिमा वर्मा ने बताया कि मीरगंज पुलिस टीम द्वारा रात्रि गस्त व चेकिंग के दौरान दो अभियुक्तगण सुरज गौतम पुत्र श्याममिलन निवासी लोहरियाँव थाना महाराजगंज जौनपुर ,प्रज्ञादीप सागरवाल पुत्र राजेन्द्र प्रसाद निवासी रखवा बेलवा थाना मडियाहूँ

जौनपुर को 20 किलो 870 ग्राम गाँजा एक मारुति सुजुकी के साथ थाना मीरगंज क्षेत्र के बभनियाँव–बादशाहपुर रोड बहद ग्राम सेमरी हाईवे अण्डर पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर धारा 8:20 एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज कर जेल भेज दिया गया है। इन दोनों का आपराधिक इतिहास भी है।सुरज गौतम पुत्र श्याममिलन पर पाक्सो एक्ट और गैंगस्टर के तहत थाना महाराजगंज जौनपुर ,सुजानगंज और मिर्जापुर में विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज है तो वही ,प्रज्ञादीप सागरवाल पुत्र राजेन्द्र प्रसाद निवासी रखवा बेलवा मडियाहूँ,के ऊपर मीरगंज में मुकदमा दर्ज किया गया है।

जेसीआई इंडिया के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की आधिकारिक यात्रा सम्पन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जेसीआई जौनपुर युवा द्वारा अध्यक्ष अवनीश केशरवानी की अध्यक्षता में महिला जिला अस्पताल में शिशु स्तन पान कक्ष का शुभारम्भ महिला जिला अस्पताल में किया। जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सिद्धार्थ भटनागर, विशिष्ट अतिथि मंडल अध्यक्ष गौरव अरोड़ा, एवं विशिष्ट अतिथि चिकित्सा अधीक्षक डॉ महेंद्र गुप्ता व डॉ आशीष यादव द्वारा फीता काटकर किया गया। तत्पश्चात नगर के होटल में जौनपुर एवं शाहगंज के सभी जेसी सदस्यों की बैठक का आयोजन हुआ जिसमें राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सिद्धार्थ भटनागर ने जेसीआई जौनपुर युवा द्वारा की गए कार्यों की सराहना की और बताया जेसीआई युवाओं की सबसे बड़ी संस्था है और जिससे जुड़ कर हर व्यक्ति अपना व्यक्तित्व विकास कर सकता है और जूनियर जेसी जिसकी उम्र 13 से 18 वर्ष, जेसी सदस्य 18 से 40 वर्ष तथा 40 वर्ष के ऊपर जेसीआई एल्युमिनाई क्लब से जुड़ कर जेसीआई का लाभ ले सकता है, मंडल अध्यक्ष गौरव अरोड़ा ने युवा द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की एवं अपने उद्बोधन में बताया कि अभी तक युवा ने बहुत अच्छा कार्य किया और विश्वास दिखाया

कि आने वाले इस कार्यकम में और बेहतर कार्य करेगा। उक्त अवसर पर जेसीआई द्वारा जरूरतमंद बच्चों को पढ़ने के लिए युवा द्वारा इस आधिकारिक यात्रा में सबसे ज्यादा योगदान दिया गया, जिसमें जेसी शिवेंद्र गुप्ता एवं मंडल निदेशक गौरव सेठ ने सेनेटर एवं अध्यक्ष अवनीश केशरवानी, स्वतंत्र मौर्य, शुभम साहू ने एच जी एफ के रूप अपना योगदान दिया। इस अवसर पर पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनिल सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष आलोक सेठ, मंडल उपाध्यक्ष सोनम चतुर्वेदी, राष्टीय समन्वयक अविनाश जायसवाल, संस्थापक अध्यक्ष एवं मंडल अधिकारी आकाश केशरवानी, मंडल अधिकारी मीरा अग्रहरि गुलाम साबिर, विशाल गुप्ता, डॉ संदीप पाण्डेय सहित सचिव राहुल प्रजापति, कोषाध्यक्ष, मोहित श्रीवास्तव, सर्वेश सिंह, आर्किटेक्ट प्रभात भाटिया, अमन साहू, श्रेयश जायसवाल, जूही वर्मा, रश्मि केशरवानी, शुभम साहू सहित ।

बीकापुर के बेलगरा में सड़क हुई दलदल मैं तब्दील राहगीर हो रहे परेशान

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। जिले के तारुन ब्लॉक की बेलगरा ग्राम सभा आजकल 'गड्ढा दर्शन' का नया केंद्र बन गई है। गांव के गदुरहवा मोहल्ले में मयाराम चौरसिया के घर से लेकर राजा गुमान सिंह के घर तक जो खड़ंजा बना है, वो अब खुद अपने ही अस्तित्व पर खड़ा नहीं रह पा रहा। लगातार हो रही बारिश के चलते करीब 50 मीटर का हिस्सा 2–2 फीट गड्ढों में तब्दील हो चुका है।पानी जमा है, निकासी का कोई रास्ता नहीं और जिम्मेदारों के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही। जिसके चलते वहां के लोगों ने सीडीओ और डीपीआरओ से गुहार लगाई।जहाँ पर आश्वासन मिला सिर्फ 'देखेंगे।ग्रामीणों ने सीडीओ और डीपीआरओ से कई बार गुहार लगाई कि इलाके में नाली बनवाई जाए, लेकिन हर बार कागजी कार्यवाही के आश्वासन के सिवा कुछ नहीं मिला। स्थिति वर्षों से जस की तस है।ग्रामीणों का कहना है कि जब वोट लेने का वक्त आता है, तो प्रधान जी हर गली, हर घर तक पहुंच जाते हैं, लेकिन जब वास्तविक समस्या हल करने की बात होती है तो ष्बजट की बीमारीष उन्हें घेर लेती है। लोग अब तंग आ चुके हैं और प्रधान व बीडीओ के खिलाफ धरने की चेतावनी दे रहे हैं।बेलगरा की हालत यह साबित कर रही है कि पंचायतीराज सिर्फ चुनावी दस्तावेजों में सजीव है, जमीनी हकीकत में वह मृतप्राय हो चुका है।

'नशा समाज के लिए कैंसर से भी अधिक है घातक –उप क्षेत्रीय मद्यनिषेध अधिकारी'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' विगत 02 अगस्त 2025 को मद्य निषेध विभाग, लखनऊ क्षेत्र के उप क्षेत्रीय मद्य निषेध अधिकारी, बृज मोहन की अध्यक्षता में ब्लाक सुरसा के दयानन्द इण्टर कालेज में छात्र–छात्राओं को नशे से दूर रहने हेतु जन–जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नशामुक्त समाज विषय पर वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया, भाषण प्रतियोगिता में नेहा प्रथम, शिवांगी द्वितीय, दिव्या ने तृतीय व रचना ने सांतवना पुरस्कार प्राप्त किया, सभी विजयी प्रतिभागियों को उप क्षेत्रीय मद्य निषेध अधिकारी ने शील्ड एवं प्रमाण–पत्र प्रदान किये। इस अवसर पर उप क्षेत्रीय मद्य निषेध अधिकारी ने छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि नशा समाज के लिए कैंसर से भी अधिक घातक है, इसलिए युवा नशे से दूर रहे और अच्छे नागरिक बनकर समाज की सेवा करें। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य अखिलेश कुमार ने छात्र–छात्राओं को नशा न करने की शपथ दिलायी तथा प्रयास एंड पार्टी के मुखिया हनीफ अहमद ने अपने साथियों

श्रावण मास के आखिरी सोमवार को शिवालयों में श्रद्धालुओं का भारी जनसैलाब उमड़ा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सावन मास के आखिरी सोमवार को शिवालयों में श्रद्धालुओं का भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा। जलाभिषेक के लिए हजारों भक्त सुबह से ही मंदिरों में पहुंचे। इस अवसर पर एक दिन पहले रविवार को सभी शिवालयों की विशेष साफ–सफाई कराई गई थी। साथ ही सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम भी किए गए थे। बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में श्रद्धालु विंध्याचल, प्रयागराज और वाराणसी से जल लेने के लिए रवाना हुए। पूरा जनपद हर–हर महादेव के जयघोष से शिवमय हो गया है। नगर के पांचों शिवालय, जागेश्वरनाथ मंदिर, छोटी काशी और बाबा जी कुटिया स्थित महादेव मंदिर में भक्तों की भीड़ उमड़ी। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित त्रिलोचन महादेव, साईनाथ महादेव, करशुलनाथ महादेव, गौरी शंकर महादेव सुजानगंज, घसीटानाथ महादेव, गोमतेश्वर महादेव केराकत, दियावा नाथ महादेव और भोला शंकर महादेव आदि शिवालयों में भी दुग्ध व जल से शिवलिंगों के अभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। जिले में बहने वाली आदि गंगा गोमती के अलावा काशी और प्रयागराज से मोक्षदायिनी मां गंगा का जल लेकर हजारों कांवरिये शिवालयों में अभिषेक के लिए पहुंचे। कई श्रद्धालु काशी विश्वनाथ और देवघर (झारखंड) भी गए हैं। कई भक्त इस पवित्र मास में बाबा अमरनाथ बर्फानी, पशुपति नाथ व महाकालेश्वर समेत अन्य ज्योतिर्लिंगों की यात्रा पर भी निकले हैं। जौनपुर के प्राचीन सारनाथ महादेव मंदिर शंभु गंज में सुबह 4 बजे से ही हजारों भक्तों की भीड़ जमा हो गई। मंदिर की महंत माला शुक्ला ने बताया कि सुबह से ही हजारों श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ के दर्शन और जलाभिषेक कर रहे हैं।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।